mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-334 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
05 दिसंबर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

आईसीसी वनडे रैंकिंगः @ पेज 7

भाजपा को 959 करोड़, कांग्रेस को 313 करोड़ चंदा मिला

टाटा ग्रुप के ट्रस्ट ने 10 पार्टियों को 914 करोड़ दिए,

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा को साल 2024-25 में इलेक्टोरल ट्रस्ट के जरिए कांग्रेस से करीब तीन गुना राजनीतिक चंदा मिला। चुनाव आयोग (EC) की वेबसाइट पर अपलोड रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा को इलेक्टोरल ट्रस्ट के जरिए 959 करोड़ रुपए मिले। कांग्रेस को मिले कुल चंदे 517 करोड़ में से 313 करोड़ इलेक्टोरल ट्रस्ट के जरिए हासिल हुए। बीते साल की रिपोर्ट बताती है कि तृणमूल कांग्रेस को कुल 184.5 करोड़ का चंदा मिला, जिसमें 153 करोड़ इलेक्टोरल ट्रस्ट से आए। कांग्रेस की वार्षिक डोनेशन रिपोर्ट आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, जबकि भाजपा की रिपोर्ट अपलोड नहीं हुई है। इलेक्टोरल ट्रस्ट एक रजिस्टर्ड संस्था हैं, जिसके जरिए राजनीतिक चंदे को पारदर्शी तरीके से सियासी दलों तक पहुंचाया जाता है। देश में कंपनियां राजनीतिक दलों को सीधे दान नहीं देती। इसलिए, वे इलेक्टोरल ट्रस्टों के जरिए राजनीतिक दलों तक चंदा पहुंचाती हैं।

राजस्थान में तापमान 3.2डिग्री, कोल्डवेव का अलर्ट

हिमाचल में पारा शून्य से नीचे; म.प्र. के 10 शहरों का तापमान 10डिग्री से कम

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में तेजी से सर्दी बढ़ रही है। गुरुवार सुबह सीकर के फतेहपुर में 3.2डिग्री और बीकानेर के लूणकरणसर में 3.2डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। सीकर, चूरू और झुंझुनूं जिलों में अन्य जिलों के मुकाबले ज्यादा सर्दी महसूस की जा रही है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिन कोल्डवेव का अलर्ट जारी किया है। इधर, पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के ऊंचाई वाली इलाकों में 5 और 7 दिसंबर को वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के चलते बर्फबारी-बारिश की संभावना है। हिमाचल के 17 शहरों में मिनिमम टेम्परेचर 5डिग्री से नीचे रिकॉर्ड हुआ। लाहौल स्पीति के ताबो में -9.8डिग्री, कल्पा में -1.5डिग्री, कुकुमसेरी में -3.9डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

पाकिस्तान को गोपनीय सूचना देने के आरोप में सूबेदार समेत दो गिरफ्तार

अहमदाबाद ,एजेंसी। गुजरात एटीएस ने एक जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। एटीएस ने पाकिस्तान को गोपनीय जानकारी देने के आरोप में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों में एक सेना का पूर्व सूबेदार और एक महिला शामिल हैं। एटीएस ने बताया कि दोनों ने गोपनीय जानकारी पाकिस्तान भेजी।

दमन से संदिग्ध महिला जासूस भी गिरफ्तार : गुजरात एटीएस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक की पहचान एके सिंह के रूप में हुई है, जो गोवा में रहता है और सेना में सूबेदार के पद पर रहा है। महिला आरोपी की पहचान रशमनी पाल के रूप में हुई है, जो दमन की निवासी है। दोनों पाकिस्तान में बैठे लोगों के संपर्क में थे और इन्होंने गोपनीय जानकारी पाकिस्तान भेजी।

लगातार तीसरे दिन 250 से ज्यादा इंडिगो फ्लाइट्स रद्द, क्रू की कमी को बताया वजह

जयपुर, इंदौर, मुंबई, दिल्ली में रातभर परेशान रहे हजारों यात्री

नई दिल्ली/ बेंगलुरु /मुंबई/ हैदराबाद, एजेंसी। एविएशन सेक्टर के नए सुरक्षा नियमों की वजह से देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो लगातार तीसरे दिन क्रू की कमी से जूझ रही है। इससे इंडिगो के ऑपरेशन पर बुरा असर पड़ा है। न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार, गुरुवार को सिर्फ मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु एयरपोर्ट पर ही इंडिगो की 250 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर आज सुबह से इंडिगो की कुल 95 उड़ानें रद्द हुई हैं। इनमें 48 दिल्ली से जाने और 47 आने वाली घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट्स थीं। मुंबई में 86 फ्लाइट्स कैंसिल हुई,

जबकि बेंगलुरु में 73 फ्लाइट्स रद्द की गई हैं। हैदराबाद में लगभग 33 उड़ानें रद्द हुई हैं। जयपुर एयरपोर्ट पर 4 फ्लाइट्स रद्द की गई हैं। इंदौर में 3 उड़ानें रद्द हुई हैं। सूत्र के मुताबिक, शाम तक रद्द होने वाली उड़ानों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। कई जगह यात्रियों ने फ्लाइट के इंतजार में पूरी रात एयरपोर्ट पर ही गुजार दी।

दरअसल, डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने सभी एयरलाइंस के लिए 1 नवंबर से पायलटों और अन्य क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े सुरक्षा नियमों में बदलाव किए हैं। इसका सबसे ज्यादा असर इंडिगो एयरलाइन पर पड़ा है।

इंडिगो के पास सबसे ज्यादा प्लेन, इसलिए ज्यादा असर

कंपनी दिन भर में लगभग 2,300 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें ऑपरेट करती है। यह संख्या एयर इंडिया के एक दिन में संचालित उड़ानों की तुलना में लगभग दोगुनी है। इतने बड़े पैमाने पर, यदि 10-20 प्रतिशत उड़ानें भी देर से चलें या रद्द हों, तो इसका मतलब होता है 200-400 उड़ानें प्रभावित होना। हजारों यात्रियों के लिए बड़ी मुश्किलें आना। बुधवार को भी इंडिगो की 200 से ज्यादा उड़ानों पर असर पड़ा था।

सुप्रीम कोर्ट का राज्य सरकारों को निर्देश

बीएलओ के काम के घंटे घटाने के लिए अतिरिक्त स्टाफ तैनात करें

नई दिल्ली, एजेंसी। 12 राज्यों में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया से बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) पर जबरदस्त दबाव पड़ा है। इन स्थितियों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अब राज्य सरकारों के लिए निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा है कि बीएलओ के काम के घंटे कम करने के लिए राज्य सरकारें अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती करे।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने यह भी आदेश दिया कि जिन लोगों ने चुनाव आयोग की ओर से जारी एसआईआर प्रक्रिया में ड्यूटी से छूट के लिए सही और स्पष्ट वजहें दी हों, उनके अनुरोधों पर राज्य सरकार और सक्षम प्राधिकारी विचार करें और मामलों के आधार पर उन लोगों की जगह दूसरे कर्मियों की तैनाती की जाए।

सीजेआई ने कहा, राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि अगर जरूरत है तो वह इस काम के लिए जरूरी कार्यबल मुहैया कराए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी- तमिलगा वेत्री कझगम की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। पार्टी ने बीएलओ के तौर पर अपनी ड्यूटी ठीक ढंग से न निभा पाने वाले लोगों के खिलाफ चुनाव आयोग की ओर से की जा रही कार्रवाई को चुनौती दी थी।

सेना के खिलाफ टिप्पणी का मामला, राहुल गांधी के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी रोक बढ़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सेना के खिलाफ टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राहत देते हुए उनके खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक अगले साल 22 अप्रैल तक बढ़ा दी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने राहुल गांधी की अपील पर यह आदेश जारी किया।

राहुल गांधी ने 29 मई को दिए गए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उच्च न्यायालय ने राहुल गांधी की ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था। बीती 4 अगस्त को मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर अगली तारीख तक रोक लगा दी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार से भी जवाब मांगा है। उदय शंकर श्रीवास्तव नामक शिकायतकर्ता ने राहुल गांधी पर भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया कि राहुल गांधी ने दिसंबर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय जमीन पर चीन द्वारा कब्जा करने का दावा किया था। इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने राहुल गांधी को समन जारी किया था।

बाबरी बनाने का ऐलान करने वाले टीएमसी विधायक सस्पेंड

हुमायूं कबीर ने कहा- मस्जिद जरूर बनेगी; तृणमूल और भाजपा के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ूंगा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद स्थित बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान करने वाले विधायक हुमायूं कबीर को तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने गुरुवार को पार्टी से निलंबित कर दिया। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने इसकी जानकारी दी। मेयर ने कहा कि पार्टी सांप्रदायिक राजनीति में विश्वास नहीं करती। TMC से निकाले जाने के बाद हुमायूं ने कहा, मैं अपने बयान पर कायम हूं। मैं 22 दिसंबर को अपनी नई पार्टी की घोषणा करूंगा। विधानसभा चुनाव में 135 सीटों पर उम्मीदवार उतारूंगा। मैं उन दोनों (TMC और भाजपा) के खिलाफ चुनाव लड़ूंगा। मुर्शिदाबाद जिले में 28 नवंबर को कई जगहों पर बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर लगाए गए थे। इन पर लिखा था कि 6 दिसंबर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास समारोह होगा। पोस्टर पर हुमायूं कबीर को आयोजनकर्ता बताया गया था। इसके बाद विवाद बढ़ गया था।

धर्मशाला में सरकार के खिलाफ भाजपा की हुंकार रैली

राधे-राधे की गूंज; श्रीकांत बोले- राहुल गांधी को खुश करने के लिए सनातन का अपमान

धर्मशाला, एजेंसी। हिमाचल की कांग्रेस सरकार के तीन साल के कार्यकाल के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने धर्मशाला के जोरावर स्टेडियम में आज (गुरुवार को) हुंकार रैली की। इसमें राधे-राधे की गूंज देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा- जब भी हम (विपक्ष) सदन में जाते हैं तो राधे-राधे बोलते हैं। इससे, सीएम सुक्खू भी राधे-राधे बोलने को मजबूर हो गए।

जयराम ने कहा- अच्छा लगा कि सनातन का कुछ अंश इनमें भी आ गया। इन्होंने (सीएम) सत्ता में आते ही सनातन का अपमान शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा- आज हर कोने से बदलो बदलो, भ्रष्ट सरकार, यही आवाज आ रही है। उन्होंने कहा, हिमाचल सीएम सुक्खू अपनी ऑल्टो कार में बजट पेश करने आते हैं। साल 2027 के चुनाव में भी पूरी कांग्रेस ऑल्टो में फिट हो जाएगी।

उन्होंने कहा- केंद्र सरकार आपदा के लिए 5500 करोड़ पहले दे चुकी है। सरकार पहले उसका हिसाब दें। फिर 1500 करोड़ की मांगे। सुक्खू सरकार चाह रही है कि 1500 करोड़ ट्रेजरी में नहीं, उनके खाते में आए।

उन्होंने कहा- हिमाचल पहले ही ऑन सेल है। अब लैंड सिलिंग एक्ट की धारा 118 को कल विधानसभा में बिल लाकर बदला जा रहा है। उन्होंने कहा- जोरावर स्टेडियम में ही बीते कल क्रूक्रू ने मार्च निकाला था। अनावश्यक रूप से लाठीचार्ज करके लहूलुहान कर दिया। 10 बच्चे घायल कर दिए।

नितिन गडकरी बोले- एक साल में टोल बूथ खत्म होंगे

लोकसभा में कहा- बैरियर लेस सिस्टम लागू होगा; 10 जगह पायलट प्रोजेक्ट शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में गुरुवार को बताया कि अगले एक साल में हाइवे पर मौजूदा टोल वसूली सिस्टम खत्म हो जाएगा। उसकी जगह पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक, बैरियर-लेस टोल सिस्टम लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नए सिस्टम की शुरुआत फिलहाल 10 जगह की जा चुकी है और इसे एक साल के भीतर पूरे देश में लागू करने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि इस

समय देशभर में करीब 4,500 हाईवे प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 10 लाख करोड़ रुपये है। पहले टोल प्लाजा पर गाड़ियों को रुककर नकद या कार्ड से भुगतान करना पड़ता था, बाद में FASTag आया तो रुकने का समय घटा, अब अगला कदम बैरियर-लेस यानी बिना बैरियर वाले हाईटेक टोल की तरफ है।

नया टोल सिस्टम या है

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (NETC) प्रोग्राम बनाया है। ये पूरे देश के लिए एक जैसा और आपस में जुड़ा इलेक्ट्रॉनिक टोल प्लेटफॉर्म है। इसका मकसद अलग-अलग हाइवे पर अलग सिस्टम की परेशानी खत्म करना और एक ही तकनीक से आसानी से टोल वसूली करना है।

इस NETC सिस्टम का मुख्य हिस्सा FASTag है, जो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) तकनीक वाला टैग होता है और गाड़ी के सामने वाले शीशे (विंडस्क्रीन) पर चिपकाया जाता है। जैसे ही गाड़ी टोल लेन से गुजरती है, सेंसर इस टैग को पढ़कर यूजर के लिंक्ड बैंक खाते या वॉलेट से टोल अपने आप काट लेते हैं।

वर्ल्ड का सबसे लंबा ई-हाईवे बनाने की तैयारी

दिल्ली-गुरुग्राम-जयपुर हाईवे पर हर 50किमी. पर होगा ईवी चार्जिंग हब; हवा-हाइड्रोजन से पावर

गुरुग्राम,एजेंसी। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) की चार्जिंग समस्या दूर करने के लिए नेशनल हाईवे फॉर ईवी (NHEV) द्वारा 3G एनर्जी स्टेशन बनाएगी। देश में पहली बार चार्जिंग स्टेशन पर ही ग्रिड फ्री यानी सोलर, विंड, थर्मल और हाइड्रोजन से पावर जनरेट करके गाड़ियां चार्ज की जाएंगी। इन चार्जिंग स्टेशनों पर 200 केवी से 500 केवी तक के अल्ट्रा-फास्ट चार्जर लगाए जाएंगे, जिससे कोई भी इलेक्ट्रिक कार मात्र 30 मिनट से भी कम समय में 100-200 किलोमीटर की रेंज चार्ज कर सकेगी। पहले फेज में देश के पहले नेशनल हाईवे फॉर इलेक्ट्रिक व्हीकल दिल्ली-गुरुग्राम-जयपुर कॉरिडोर और दिल्ली-आगरा हाईवे पर इसे शुरू करने की योजना है। गुरुग्राम के ग्वाल पहाड़ी स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी में 5 दिसंबर को होने वाली एनएचईवी वर्किंग कमेटी की 7वीं मीटिंग में इसका रोडमैप फाइनल होगा।

कर्नाटक में सरकारी महिला कर्मचारियों को एक पीरियड्स लीव मिलेगी

साल में ऐसी 12 छुट्टियां; 18 से 52 वर्ष की सभी कर्मचारियों को फायदा होगा

कर्नाटक, एजेंसी। कर्नाटक की सरकारी महिला कर्मचारियों को एक दिन पेड पीरियड्स लीव का आदेश लागू किया गया है। महिलाओं को साल में 12 लीव मिलेंगी। राज्य सरकार ने 9 अक्टूबर को मेंस्ट्रुअल लीव पॉलिसी (MLP) 2025 को मंजूरी दी थी। इसका फायदा सरकारी महिला कर्मचारियों के साथ-साथ, प्राइवेट कंपनीज और इंडस्ट्रियल सेक्टर्स में काम करने वाली महिलाओं को भी मिलेगा। आदेश के अनुसार 18 से 52 वर्ष की महिलाओं को पीरियड्स लीव मिलेगी।

हाईकोर्ट में चुनौती के बाद सरकार ने लागू किया नियम : बैंगलोर होटल्स एसोसिएशन (BHA) ने नवंबर में कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार ने प्राइवेट सेक्टर की महिलाओं को तो यह सुविधा दे दी, लेकिन सरकारी कर्मचारियों को नहीं दी। उनका कहना था कि यह भेदभाव है क्योंकि राज्य खुद बड़ी संख्या में महिलाओं को नौकरी देता है। इस विवाद के बाद सरकार ने यह नियम सरकारी महिला कर्मचारियों पर भी लागू करने का आदेश जारी कर दिया।

मेडिकल सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं: इस छुट्टी को मंजूरी देने का अधिकार उसी अधिकारी के पास होगा जो कैजुअल लीव देता है। इसके लिए किसी मेडिकल सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होगी। ये लीव किसी दूसरी छुट्टी के साथ नहीं जोड़ी जा सकेगी और इसे अलग से लीव रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। यह छुट्टी उन सभी संस्थानों में काम करने वाली महिलाओं को मिलेगी जो नीचे दिए गए कानूनों के तहत रजिस्टर्ड हैं।

एक साल से चल रहा था काम

कर्नाटक के लेबर मिनिस्टर संतोष लाड ने कहा, 'विभाग पिछले एक साल से इसपर काम कर रहा था। इसे लेकर कई लोगों ने अपने आपत्ति भी दर्ज कराई। हमने अलग-अलग विभागों से भी बात की।

महिलाएं बहुत स्ट्रेस में होती हैं, खासतौर पर वो जो दिन में 10 से 12 घंटे तक काम करती हैं। इसलिए हम थोड़ा प्रगतिशील होते हुए एक दिन की छुट्टी उन्हें देना चाहते थे। अब उनके पास महीने में एक दिन छुट्टी लेने की छूट होगी। हम उम्मीद करते हैं कि इसका गलत फायदा नहीं उठाया जाएगा। अगर कुछ जरूरत लगी तो आने वाले समय में हम और नियम इसमें जोड़ेंगे।'

60 लाख महिलाओं को होगा फायदा : लेबर डिपार्टमेंट के अनुसार राज्य में करीब 60 लाख कामकाजी महिलाएं हैं। इनमें से 25 से 30 लाख महिलाएं कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती हैं। विभाग सभी एम्प्लॉयर्स के साथ एक बार मीटिंग करके उन्हें इस नए नियम को लेकर अवेयर करेगा। पॉलिसी के अप्रूव होने से पहले 18 सदस्यों की एक कमेटी ने कुछ सुझाव दिए थे। इसमें पीरियड्स के दौरान महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलाव, उनकी मुश्किलें और ऐसे समय में उनके शरीर को आराम की जरूरत का उल्लेख किया गया था। इस कमेटी को क्राइस्ट यूनिवर्सिटी की लॉ डिपार्टमेंट की चीफ सपना एस लीड कर रही थीं। इसके बाद सरकार ने इसके फायदे-नुकसान को जाना। अलग-अलग विभागों और ऑर्गेनाइजेशन्स से इसपर सुझाव लिया। महिला प्रधान उद्योग जैसे कपड़ा उद्योग पर पड़ने वाले असर को भी समझा।

शोध में फिर सामने आया सूक्ष्म प्लास्टिक कण स्वास्थ्य को पहुंचा सकते गंभीर नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्लास्टिक की बोतल के हानिकारक प्रभाव एक बार फिर सामने आए हैं। एक शोध में सामने आया है कि एकल उपयोग प्लास्टिक की बोतलों से निकले छोटे-छोटे प्लास्टिक के कण हमारे शरीर की महत्वपूर्ण प्रणालियों को प्रभावित कर हमारे स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएनएसटी), मोहाली की टीम ने एक शोध में पाया है कि एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक (पीईटी) की बोतलों से बनें अति-सूक्ष्म प्लास्टिक कण व्यक्ति के शरीर के लिए फायदेमंद सूक्ष्म जीवों और कोशिकाओं को गंभीर हानि पहुंचा सकते हैं। नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएनएसटी), मोहाली विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (डीएसटी) के तहत एक स्वायत्त संस्थान है। इसकी टीम ने एक शोध में पाया की सूक्ष्म प्लास्टिक शरीर में पहुंचकर पेट के लिए फायदेमंद आंत के सूक्ष्मजीवों को प्रभावित करते हैं। यह सूक्ष्मजीव हमारी इम्यूनिटी, मेटाबॉलिज्म और यहाँ तक कि मानसिक सेहत को भी संभालते हैं।

वैज्ञानिकों ने शोध से यह समझा कि इन सूक्ष्म जीवों के अति-सूक्ष्म प्लास्टिक के संपर्क में आने से क्या होता है। उन्होंने लैब में पीईटी बोतलों से अति- सूक्ष्म प्लास्टिक बनाई और उन्हें एक फायदेमंद जीवाणु लैक्टोबैसिलस रैम्नोसस पर टेस्ट किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि लंबे समय तक संपर्क में रहने से जीवाणुओं की वृद्धि और सुरक्षात्मक कार्य कम हो गए, जबकि तनाव प्रतिक्रियाएं और एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ गई। उन्होंने बताया कि ये सूक्ष्म प्लास्टिक हमारी पेट की सेहत को सीधा नुकसान पहुँचा रहे हैं और साथ ही ज़्यादा मात्रा में खून की कोशिकाओं की झिल्ली को भी खराब कर दिया। इसके अलावा, सूक्ष्म प्लास्टिक डीएनए को भी नुकसान पहुँचा रहा है। लाल रक्त कोशिकाओं पर प्रभाव की भी जाँच की गई। बड़ी संख्या में नैनोप्लास्टिक ने कोशिका झिल्लियों को क्षतिग्रस्त कर दिया और रक्तसंश्लेषण में परिवर्तन उत्पन्न कर दिए। सामान्य कोशिकीय प्रतिक्रियाओं को दर्शाने के लिए भी अध्ययन किया गया। यहाँ, लंबे समय तक संपर्क के कारण डीएनए क्षति, ऑक्सीडेटिव तनाव, एपोप्टोसिस और सूजन संबंधी संकेतन के साथ-साथ ऊर्जा और पोषक तत्वों के चयापचय में भी बदलाव हुए। इस शोध से यह स्पष्ट हो गया है कि रोज़ाना इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक से बने ये सूक्ष्म प्लास्टिक सिर्फ कचरा नहीं हैं, बल्कि ये बायोलॉजिकली एक्टिव पार्टिकल हैं।

बेकाबू कार सड़क किनारे पेड़ से टकराई, युवती की मौत, पांच घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेला औद्योगिक क्षेत्र इलाके में रविवार तड़के एक बेकाबू कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार युवती की मौत हो गई, वहीं छह माह की बच्ची समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल अभी बयान देने की हालत में नहीं हैं। पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि रविवार तड़के करीब 5.14 बजे एक राहगीर संजीव ने पुलिस को फोन कर बताया कि नरेला बवाना रोड के घोघा क्रांसिंग के पास एक बेकाबू कार सड़के किनारे पेड़ से टकरा गई है। हादसे में कार में सवार छह लोग बुरी तरह से घायल हो गए। सूचना मिलते ही नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने छह माह की घायल बच्ची समेत छह घायलों को कार से निकालकर पीतमपुरा स्थित सरोज अस्पताल में भर्ती कराया। जहां हरियाणा के सोनीपत स्थित कुंडली निवासी ज्योति (21) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों की पहचान खरखौदा सोनीपत हरियाणा निवासी प्रशांत और मंशा अपार्टमेंट नरेला निवासी अमित के रूप में हुई। छह माह की बच्ची और दो अन्य महिलाओं की पहचान की जा रही है। बताया गया कि एक महिला अमित की पत्नी है।

ईवी बसों के साथ द्वारका सर्कुलर सेवा फिर शुरू होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। लास्ट माइल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए द्वारका सर्कुलर बस सेवा इलेक्ट्रिक बसों के साथ दोबारा शुरू की जाएगी। यात्रियों की बढ़ती जरूरतों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में बेहतर सेवा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार बस रूट्स के रेशनलाइजेशन पर काम कर रही है। सरकार के अनुसार, रूट रेशनलाइजेशन का उद्देश्य बस रूट्स का पुनर्गठन है, ताकि बसें उन इलाकों में अधिक चलाई जा सकें जहां यात्रियों की संख्या ज्यादा है। इसके लिए यात्रियों की मांग, सफर के पैटर्न, भीड़भाड़ वाले रूट्स और बसों की उपलब्धता का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा रहा है। इसके बाद डुप्लिकेट या कम उपयोग वाले रूट हटाकर जरूरत के हिसाब से नई बसें तैनात की जाएंगी। द्वारका सर्कुलर सेवा का नया स्वरूप द्वारका मेट्रो स्टेशन, द्वारका सेक्टर-8 स्टेशन और अन्य प्रमुख स्थानों को जोड़ेगा। इससे कॉलोनियों, शैक्षणिक संस्थानों और व्यावसायिक केंद्रों तक बस कनेक्टिविटी बेहतर होगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसें पर्यावरण अनुकूल होने के साथ यात्रियों को अधिक आरामदायक सफर देंगी। इससे हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी।

रूट में भी बदलाव

सरकार ने प्रधानमंत्री संग्रहालय से केंद्रीय सचिवालय के बीच चलने वाले बस रूट में भी बदलाव किया है। नया रूट पीएमएमएल-तीन मूर्ति-साउथ एवेन्यू-सेना भवन-उद्योग भवन-केंद्रीय सचिवालय होगा। पहले यह रूट कुशक रोड से गुजरता था। नए रूट से यात्रियों को तेज और सीधा सफर मिलेगा।

लाखों वाहन चालकों की उम्मीदों को झटका

दिल्ली का एकमुश्त ट्रैफिक चालान माफी प्रस्ताव अटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार द्वारा प्रस्तावित एकमुश्त ट्रैफिक और परिवहन चालान माफी योजना कानूनी अड़चनों के कारण फिलहाल रोक दी गई है। यह प्रस्ताव उन वाहन मालिकों को बड़ी राहत देने वाला था जिन पर वर्षों से चालान बकाया है। लेकिन कैबिनेट की बैठक में यह मुद्दा अटक गया। क्योंकि लंबित चालानों से जुड़े कई मुकदमे अदालतों में विचाराधीन हैं।

अदालतों में लंबित मामलों ने बढ़ाई मुश्किल

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी अधिकारियों ने बताया कि योजनाओं पर चर्चा के दौरान यह सामने आया कि बकाया चालानों से जुड़े कई मामले अभी न्यायालयों में चल रहे हैं, जिससे इस प्रस्ताव के लागू होने पर कानूनी विवाद बढ़ सकता है। इसी कारण से कैबिनेट ने योजना को फिलहाल आगे बढ़ाने की मंजूरी नहीं दी। सरकार योजना लागू करने के पक्ष में है, लेकिन संशोधित प्रस्ताव तैयार कर उसे उपराज्यपाल विनय सक्सेना की मंजूरी के लिए भेजना होगा। किसी भी कानूनी अस्पष्टता वाले मामले में एलजी की अनुमति अनिवार्य होती है।

22 लाख चालान, सिर्फ 55 हजार का भुगतान: जनवरी से जुलाई 2025 के बीच दिल्ली में 22.43 लाख ट्रैफिक चालान जारी किए गए, लेकिन इनमें से केवल 55,075 चालान ही भरे गए। यानी लगभग 98% प्रतिशत चालान अभी भी लंबित हैं।

कुछ प्रमुख आंकड़े

- **गलत पार्किंग:** 7.2 लाख चालान, सिर्फ 27,000 का भुगतान
- **बिना हेलमेट:** 4.2 लाख चालान, सिर्फ 5,100 भुगतान
- **बिना लाइसेंस ड्राइविंग:** 3.2 लाख चालान, केवल 2,583 भुगतान
- दिल्ली में 80 लाख से अधिक पंजीकृत वाहन हैं और ट्रांसपोर्ट विभाग रोजाना 1,000-1,500 चालान जारी करता है, जिससे सिस्टम पर भारी दबाव है।

माफी योजना क्या थी और इससे किसे राहत मिलती :अगर योजना को मंजूरी मिलती, तो वाहन मालिकों को 50-70 प्रतिशत तक की छूट मिल सकती थी। यह राहत दोपहिया, तिपहिया और चार-पहिया वाहन मालिकों के लिए थी और इसमें ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा जारी चालान शामिल होते।

इसमें शामिल उल्लंघन

- PUCC एक्सपायरी
- ओवरलोडिंग
- गलत दिशा में चलना
- बिना हेलमेट
- रेड लाइट जंप

गंभीर अपराध जैसे ड्रंक ड्राइविंग, बिना वैध लाइसेंस ड्राइव करना या खतरनाक ड्राइविंग इसमें शामिल नहीं होने थे।

संभावित कार्यावधि- 2-3 महीने की विंडो :अधिकारियों के अनुसार, यदि योजना को मंजूरी मिलती है, तो छूट वाली समय-सीमा 2-3 महीने की हो सकती थी> जिससे लोग पुराने चालानों का भुगतान कर पाते और अदालतों में लंबित मामलों का बोझ भी कम होता।

ई-चालान से पकड़ बढ़ी, लेकिन भुगतान अभी भी कम: फोटो प्रमाण वाले ई-चालानों ने उल्लंघन पकड़ना आसान किया है, लेकिन भुगतान में कोई सुधार नहीं हुआ। बहुत से वाहन चालक लोक अदालत के आने का इंतजार करते हैं क्योंकि वहां अक्सर जुर्माना कम कर दिया जाता है।

देरी से भुगतान पर कोई अतिरिक्त पेनल्टी या ब्याज न लगने के कारण भी लोग चालान समय पर नहीं भरते।

अगर माफी योजना नहीं आई, तो सख्त कदम संभव

अधिकारियों ने संकेत दिया है कि यदि यह राहत योजना प्रभावी नहीं रही, तो भविष्य में सख्त कदम उठाए जा सकते हैं, जैसे-

- वाहन से जुड़ी ऑनलाइन सेवाओं को VAHAN पोर्टल पर ब्लॉक करना
- बार-बार उल्लंघन करने वालों की वाहन पंजीकरण रद्द करना

दिल्ली में जल संकट यमुनापार में लाइन टूटी

50 घंटे रहेगी पानी की किल्लत; लाखों लोगों की 5 दिसंबर तक मुसीबत

दिल्ली, एजेंसी। यमुनापार में दिल्ली जल बोर्ड की पानी की पाइपलाइन टूटने से जल संकट गहरा गया है। ऐसे में तीन विधानसभाओं के लाखों लोगों को 5 दिसंबर तक पानी की किल्लत से जूझना पड़ेगा। दरअसल, भागीरथी भूमिगत जलाशय (यूजीआर) से निकलने वाली 1300 मिमी व्यास की पानी की पाइपलाइन मंगलवार शाम करीब 4:00 बजे क्षतिग्रस्त हो गई है। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

हालांकि, जल बोर्ड ने पाइप की मरम्मत करने को कर्मचारियों को काम पर लगाया है। लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इसे ठीक करने में करीब 50 घंटे लगेंगे। इस वजह से रोहतास नगर, बाबरपुर और गोकुलपुरी विधानसभा में पानी की सप्लाई ठप रहेगी। इनमें रोहताश नगर स्थित अशोक नगर, हरदेवपुरी, ईस्ट ज्योति नगर, दुर्गापुरी एक्सटेंशन, वेस्ट नाथू कॉलोनी, ईस्ट नाथू कॉलोनी, राम नगर, चंद्रलोक भगवानपुर खेड़ा जगजीवन नगर, जगतपुरी, दुर्गापुरी और मानसरोवर पार्क शामिल हैं। बाबरपुर स्थित उत्तरी-छज्जूपुर, कबीर नगर, कर्दमपुरी, सुदामापुरी, पूर्व और पश्चिम बाबरपुर, पूर्व गोरख पार्क, वेस्ट गोरख पार्क, जनता कॉलोनी, बलबीर नगर, ज्योति कॉलोनी, छज्जूपुर, बलबीर एक्सटेंशन, वेस्ट ज्योति नगर और न्यू कर्दमपुरी शामिल हैं।

टैंकर मंगवाने के लिए यहां करें संपर्क: जल बोर्ड ने एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। ऐसे में आप अपनी कॉलोनियों में टैंकर मंगवाने के लिए हेल्पलाइन नंबर का उपयोग कर सकते हैं। जल बोर्ड की ओर से रोहतास नगर और गोकुलपुरी विधानसभा के लोगों के लिए 95994 08776 नंबर जारी किया गया है, जबकि बाबरपुर विधानसभा में रहने वाले लोगों के लिए 9319789675, 9650147222, 9411201723 और 8700434372 पर संपर्क कर टैंकर मंगवा सकते हैं।

संचार साथी ऐप की अनिवार्यता के फैसले को वापस लेना स्वागतयोग्य कदम

नई दिल्ली ,एजेंसी। संचार साथी ऐप को लेकर जारी विवाद के बीच सरकार ने प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने गुरुवार को कहा कि सरकार ने समझा कि उनका झूठ पकड़ा गया है और उन्होंने ऐप की अनिवार्यता के फैसले को वापस ले लिया है। मैं इस कदम का स्वागत करती हूं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ÷शुरुआत में जैसे ही नोटिफिकेशन आया था, तो मैंने कहा था कि जिस तरीके से नोटिफिकेशन जारी किया गया है, वो नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। जनता को चुनने का मौका नहीं दे रहा है, बल्कि इस ऐप को बाध्य कर रहा है कि यह प्रीलोडेड ऐप आएगा। उन्होंने कहा, दुनियाभर में कहीं कोई ऐसा सरकारी ऐप नहीं है, जो लोगों के मोबाइल में प्री-लोडेड को अनिवार्य बनाया हो। जब यह आवाज उठाई गई तो ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सिर्फ आधा सच बताया कि जिसको रखना है, वह रखे और जिसको हटाना है, वह हटाए। यह भी पूरी तरह से गलत

था, क्योंकि ऐप प्री-लोडेड था। ऐप के पास फोन के सारे एक्सेस होते।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा, देश ने देखा कि कैसे पत्रकारों के मोबाइल में पैगासस डालने की कोशिश हुई थी। विपक्ष के नेताओं के पास भी मैसेज आया था कि स्टेट सर्विलेंस ऐप लगाए गए हैं। वे चाह रहे थे कि देश की जनता का डेटा लेकर उसको अपने लिए इस्तेमाल करें। सरकार ने समझा है कि उनका झूठ पकड़ा गया और ऐप को वापस लिया है, जिसका मैं स्वागत करती हूं। बता दें कि बुधवार को संचार मंत्रालय की ओर से बताया गया कि सरकार ने मोबाइल फोन में संचार साथी ऐप के प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। सरकार की ओर से यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब संचार साथी ऐप के प्री-इंस्टॉलेशन को लेकर विवाद पैदा हो गया है और कई

व्हाइट हाउस का दावा 2026 फीफा वर्ल्ड कप सबसे सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने बुधवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इतिहास के सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। साथ ही दुनिया भर से आने वाले लाखों फैंस के लिए 2026 का फीफा पुरुष वर्ल्ड कप सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार बनाने का वादा किया है। वर्ल्ड कप पर व्हाइट हाउस टास्क फोर्स के कार्यकारी निदेशक एंड्रयू गिउलिआनी ने एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ निर्देश देते हुए कहा, यह सुनिश्चित करें कि देश एक सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार वर्ल्ड कप का आयोजन करे। 2026 के टूर्नामेंट को बहुत बड़े सौभाग्य का क्षण बताते हुए गिउलिआनी ने कहा कि वर्ल्ड कप अमेरिका की 250वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के साथ भी होगा, जिसमें 4 जुलाई, 2026 को फिलाडेल्फिया में एक मैच निर्धारित है। उन्होंने कहा, यह हमें अमेरिका का सबसे अच्छा रूप दिखाने का मौका देता है, जिसमें हमारी मेहमाननवाजी और हमारा इनोवेशन तो है ही, साथ ही ये उस अमेरिकी भावना को भी दिखाता है जिस पर हमें बहुत गर्व है।

गिउलिआनी ने कहा कि वर्ल्ड कप में 48 देश, 104 मैच... 49 टीम बेस कैंप... और लाखों अंतरराष्ट्रीय मेहमान शामिल होंगे। आर्थिक विकास से पर्यटन, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्थानीय व्यवसायों और 11 अमेरिकी मेजबान शहरों को फायदा होगा। यह सच में एकता का एक वैश्विक क्षण है। यह 11 अमेरिकी मेजबान शहरों में पर्यटन, मेहमाननवाजी, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्थानीय व्यवसायों को सपोर्ट करेगा, जो अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अच्छा है। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता से कहीं ज्यादा है। यह सच में एकता का एक वैश्विक क्षण है। उन्होंने आगे कहा, पिछले कई महीनों में, व्हाइट हाउस टास्क फोर्स ने सुरक्षा, परिवहन, खुफिया, मेहमाननवाजी और यात्रा के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। हमें 5-7 मिलियन अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों के आने की उम्मीद है और इसके लिए हमने सभी 11 मेजबान शहरों में संघीय समन्वय टीमें तैनात की हैं। तैयारियों के केंद्र में सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। हम इन गेम्स और इस शानदार वर्ल्ड कप को सुरक्षित और सफल बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। सुरक्षा और मेहमाननवाजी एक साथ रह सकते हैं और रहेंगे।

उन्होंने सुरक्षा के लिए 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की फेडरल फंडिंग पर जोर दिया, जिसमें कानून प्रवर्तन और इमरजेंसी रिस्पॉन्स के लिए फीफा वर्ल्ड कप ग्रांट प्रोग्राम के ज़रिए 625 मिलियन डॉलर और गैर-कानूनी ड्रोन से निपटने के लिए 500 मिलियन डॉलर शामिल हैं। एफबीआई और डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी एक इंटरनेशनल पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर बना रहे हैं, जबकि नेशनल वेदर सर्विस एडवांस्ड हीट-रिस्क फोरकास्टिंग टूल लगा रही है। गिउलियानी ने 5-7 मिलियन इंटरनेशनल विजिटर्स की उम्मीद की जा रही भीड़ को मैनेज करने के लिए अमेरिकी ट्रैवल सिस्टम में अपग्रेड के बारे में भी बताया। उपायों में मॉडर्न स्क्रीनिंग लेन, ई-गेट आइडेंटिटी वेरिफिकेशन, वन-स्टॉप इंटरनेशनल कनेक्शन सिक्योरिटी, और एयरलाइंस, एमट्रैक, राइडशेयर फर्मों और शहर के ट्रांजिट सिस्टम के साथ करीबी कोआर्डिनेशन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य जोर उन देशों के लिए वीजा वेटिंग टाइम को कम करने पर रहा है जिनसे बड़ी संख्या में फैंस के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, दुनिया भर के 80 प्रतिशत से ज्यादा देशों के फैंस 60 दिनों से भी कम समय में अपने वीजा के लिए अपॉइंटमेंट ले सकते हैं। दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों में 450 से ज्यादा एक्स्ट्रा स्टाफ तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 300,000 से ज्यादा अतिरिक्त वीजा पहले ही जारी किए जा चुके हैं, और उम्मीद है कि यह संख्या अगले साल की शुरुआत तक लाखों में होगी।

इमिग्रेशन नियमों पर बार-बार पूछे जाने पर, गिउलियानी ने जोर देकर कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन इंटरनेशनल विजिटर्स का स्वागत कर रहा है

नाइजीरिया को लेकर अमेरिका का सख्त रुख, ईसाइयों पर हमलों में शामिल लोगों पर वीजा प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। नाइजीरिया में ईसाइयों की हत्या से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नाराज चल रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने नाइजीरिया को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर हत्या और हमले बंद नहीं हुए, तो अमेरिका तुरंत सभी आर्थिक और सैन्य सहायता रोक देगा। इतना ही नहीं ट्रंप ने नाइजीरिया को हमले की धमकी भी दी थी। वहीं अब अमेरिका ईसाइयों के खिलाफ हिंसा में शामिल नाइजीरियाई लोगों और उनके परिवारों के वीजा पर रोक लगाएगा।अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि अमेरिका, पश्चिम अफ्रीकी देश में ईसाइयों के खिलाफ सामूहिक हत्याओं और हिंसा में शामिल नाइजीरियाई लोगों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए वीजा पर प्रतिबंध लगाएगा। मालूम हो कि पिछले महीने ट्रम्प ने यह भी कहा था कि उन्होंने पेंटागन को आदेश दिया है कि वह नाइजीरिया में ईसाई उत्पीड़न के दावों के बाद संभावित सैन्य कार्रवाई की योजना बनाना शुरू कर दे।

अमेरिकी विदेश मंत्री का बयान: अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बुधवार को एक्स पर जारी एक बयान में कहा,

अमेरिका नाइजीरिया और उसके बाहर कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवादियों, फुलानी जातीय मिलिशिया और अन्य हिंसक तत्वों द्वारा ईसाइयों के खिलाफ बड़े पैमाने पर हत्याओं और हिंसा के जवाब में निर्णायक कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह नीति धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने वाले अन्य देशों या व्यक्तियों पर भी लागू होगी। ये प्रतिबंध आव्रजन एवं राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत नई नीति का हिस्सा है।

नाइजीरिया विशेष चिंता का देश घोषित : यह कदम पिछले महीने अमेरिका द्वारा नाइजीरिया को अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत विशेष चिंता का देश घोषित किये जाने के बाद उठाया गया है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि बुधवार की नीति को किस प्रकार क्रियान्वित किया जाएगा, क्योंकि विदेश विभाग के पास पहले से ही मानवाधिकार उल्लंघन में शामिल लोगों की अमेरिका यात्रा को प्रतिबंधित करने का अधिकार है।

ईसाइयों पर नाइजीरिया में हमले क्यों हो रहे: नाइजीरिया में हमलों के अलग-अलग मकसद होते हैं। कुछ हमले धार्मिक कारणों से होते हैं, जो ईसाइयों और मुसलमानों, दोनों को निशाना बनाते हैं, साथ ही घटते संसाधनों को लेकर किसानों और चरवाहों के बीच झड़पें, सांप्रदायिक प्रतिद्वंद्विता, अलगाववादी समूह और जातीय संघर्ष भी होते हैं। नाइजीरिया की लगभग 220 मिलियन की जनसंख्या ईसाइयों और मुसलमानों के बीच लगभग बराबर-बराबर विभाजित है। पश्चिम अफ्रीकी देश को लंबे समय से विभिन्न मोर्चों से असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें बोको हराम चरमपंथी समूह भी शामिल है, जो इस्लामी कानून की अपनी कट्टरपंथी व्याख्या स्थापित करना चाहता है और उसने उन मुसलमानों को भी निशाना बनाया है जिन्हें वह पर्याप्त मुस्लिम नहीं मानता है। इसके अलावा, देश के मध्य भाग में सशस्त्र गिरोहों की गतिविधियों में भी वृद्धि हुई है जो फिरौती के लिए स्थानीय लोगों का अपहरण करते हैं।

हिजाब महिलाओं की गरिमा को बचाता है, वहीं पश्चिम उन्हें भोग की वस्तु बनाता है खामेनेई

तहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने एक बार फिर अनिवार्य हिजाब और सख्त ड्रेस कोड का खुलकर बचाव किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगातार पोस्ट करते हुए उन्होंने पश्चिमी देशों पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि इस्लाम महिलाओं को सच्ची आजादी और सम्मान देता है, जबकि पश्चिमी पूंजीवादी व्यवस्था उन्हें महज यौन वस्तु बना देती है। यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान की संसद के 150 से ज्यादा सांसदों ने न्यायपालिका पर हिजाब कानून को ढीला करने का आरोप लगाया था। ठीक एक दिन बाद खामेनेई ने जवाब दिया। उन्होंने लिखा, समाज का पहला कर्तव्य है महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और शांति सुनिश्चित करना। इस्लाम ठीक यही करता है।

पश्चिम में पूंजीवाद महिलाओं को विज्ञापनों, फिल्मों और फैशन की भेंट चढ़ाता है। वहाँ औरत को सिर्फ शरीर समझा जाता है। खामेनेई ने पश्चिमी समाज में लैंगिक वेतन असमानता का भी जिक्र किया। उनका कहना था कि वहाँ महिलाओं से समान काम करवाया जाता है, लेकिन वेतन कम दिया जाता है और उनका शारीरिक शोषण आम है। इसके उलट इस्लाम में महिला को घर का फूल बताया गया है। उन्होंने हदीस का हवाला देते हुए लिखा, महिला नौकरानी नहीं है। वह फूल है, जिसकी देखभाल करनी है। उसकी खुशबू और रंग पूरे घर को महकाते हैं। उसे सम्मान और सुरक्षा दो, वह तुम्हें समृद्ध करेगी।

खामेनेई ने यह भी कहा कि हिजाब और पर्दे का कानून औरत को सड़क पर चलते हुए पुरुषों की भूखी नजरों से बचाता है और उसे एक सम्मानजनक पहचान देता है। उनके मुताबिक पश्चिमी आजादी का मतलब सिर्फ नग्नता और भोग है, जबकि इस्लामी व्यवस्था औरत को सशक्त बनाती है, उसे पढ़ने-लिखने, आगे बढ़ने और अपनी पहचान बनाने का पूरा हक देती है। 2022 में महसा अमीनी की हिरासत में मौत के बाद ईरान में हिजाब विरोधी बड़े आंदोलन हुए थे। उसके बाद से कानून को और सख्त करने की मांग तेज हो गई थी। खामेनेई के ताजा बयानों ने उस बहस को फिर हवा दे दी है।

8 दिन में 1030 वाहनों पर कार्रवाई

हादसों को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया; 5.20 लाख से अधिक का जुर्माना वसूला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात अनुशासन बढ़ाने के लिए 15 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया है। 26 नवंबर से जारी इस अभियान के पहले आठ दिनों में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले 1030 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई की गई है। इस दौरान 5 लाख 20 हजार रुपए से अधिक का जुर्माना वसूला गया है। अभियान के तहत की गई कार्रवाई के आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक चालान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों पर किए गए। ऐसे 630 चालकों से 1 लाख 89 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले 280 वाहनों पर 1 लाख 40

हजार रुपए का चालान लगाया गया।

सड़क सुरक्षा के लिए नागरिकों को जागरूक किया: इसके अतिरिक्त, बिना वैध बीमा के 10 वाहनों और तेज रफ्तार से वाहन चलाने वाले 10 चालकों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 100 प्रकरणों में 1 लाख 72 हजार रुपए की कार्रवाई की गई। इस अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा से जुड़ी शासकीय योजनाओं का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इनमें राहगीर योजना, हिट एंड रन पीड़ित प्रतिकर योजना और कैशलेस सुविधा शामिल हैं। नागरिकों को जागरूक करने के लिए चौराहों, पेट्रोल पंपों, पार्कों और शासकीय कार्यालयों में फ्लेक्स-बैनरों का उपयोग किया जा रहा है। यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

नगर परिषद रामपुर नैकिन में शिकायत निवारण समिति की बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगर परिषद रामपुर नैकिन में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा संचालित जलप्रदाय परियोजना के सुचारू संचालन एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु शिकायत निवारण समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष रामकुमार साहू, मुख्य नगरपालिका अधिकारी भैया लाल साकेत, जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जलप्रदाय कार्य से संबंधित प्राप्त शिकायतों के त्वरित समाधान की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने एस्क्रो अकाउंट के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि यह तंत्र पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करता है। इसके माध्यम से जल आपूर्ति व्यवस्था से जुड़े सभी खर्चों का व्यवस्थित लेखा-जोखा रखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, यूज़र चार्ज के महत्व पर भी विचार-विमर्श किया गया। बताया गया कि जलप्रदाय योजना के दीर्घकालिक एवं सुचारू संचालन, सेवा गुणवत्ता में सुधार तथा वित्तीय स्थिरता के लिए यूज़र चार्ज में समुचित वृद्धि आवश्यक है। बैठक में जल कनेक्शन मीटर स्थापना की धीमी प्रगति पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस कार्य को गति देने के लिए जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। बैठक का समन्वय सामुदायिक विकास अधिकारी शैलेष तिवारी द्वारा किया गया।

90 साल के बुजुर्गों के नाम पर मजदूरी हड़पी

सरपंच व परिजनों पर लाखों की मजदूरी हड़पने का आरोप, शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत के ग्राम बढ़ोना में मनरेगा योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। ग्रामीणों का दावा है कि 90 से 100 साल के बुजुर्गों के नाम पर कागजों में काम दिखाकर लाखों रुपए की मजदूरी हड़पी गई है। इस मामले में सरपंच रेनू सिंह, उनके पति और बेटे पर गंभीर आरोप लगे हैं। शिकायत के अनुसार, गांव की 94 वर्षीय चौरसिया बढ़ई और 98 वर्षीय छोटी विश्वकर्मा का नाम पीसीसी सड़क निर्माण कार्य में मजदूर के तौर पर दर्ज है। आरोप है कि इन वृद्ध महिलाओं को काम करते हुए दिखाकर उनकी मजदूरी सरपंच के बेटे नीरज सिंह ने निकाल ली।

बुजुर्गों के नाम पर सरपंच कर रहे भ्रष्टाचार: चौरसिया बढ़ई ने बताया कि उन्होंने कोई काम नहीं किया है। उनके खाते में पैसे आते हैं, जिन्हें वह सरपंच के बेटे नीरज को दे देती हैं। वहीं, छोटी विश्वकर्मा पिछले दो साल से बिस्तर पर हैं और उन्हें दोनों पैरों व कमर में लकवा है। इसके बावजूद उनका नाम भी मजदूरी सूची में शामिल है। उन्होंने बताया कि उनके खाते से भी पैसे निकाले जाते हैं। ग्रामीण दिनकर प्रताप सिंह के अनुसार, यह केवल एक मामला नहीं बल्कि करोड़ों रुपए का घोटाला है। उनका आरोप है कि कई शिकायतों के बावजूद जनपद पंचायत सीईओ और संबंधित अधिकारियों की कथित मिलीभगत के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

जिला पंचायत सीईओ से शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं: समाजसेवी अरुणेन्द्र प्रताप सिंह ने भी इन अनियमितताओं की शिकायत जिला पंचायत सीईओ और जनपद अधिकारियों से की है। उन्होंने बताया कि आरटीआई आवेदन भी दिया गया है, लेकिन उसका जवाब नहीं मिला है। आरोप है कि पंचायत में सभी मजदूरों के खातों में मजदूरी डालकर सरपंच और उनके परिजन पूरे पैसे निकाल लेते हैं। नियमों के अनुसार, सरपंच या सचिव अपने या रिश्तेदारों को पंचायत से कोई लाभ नहीं दे सकते। जब सरपंच रेनू सिंह से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि 'मेरा काम मेरे पति देखते हैं, मैं कुछ नहीं जानती। जो पूछना है मेरे पति से पूछिए। 'वहीं, जनपद पंचायत सीईओ चंदूलाल पनिका ने बताया कि मामला संज्ञान में है और 15 दिन पहले जनसुनवाई में आवेदन मिला था। जांच टीम गठित कर दी गई है और एसआईआर का कार्य पूरा होते ही जांच शुरू कर कार्रवाई की जाएगी।

बैढ़न कॉलेज छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार,सड़क पर लड़कियों को करता था परेशान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न स्थित सरकारी कॉलेज की दो छात्राओं से लगातार छेड़छाड़ करने के आरोप में गुरुवार को पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सियाराम साहू (35) के रूप में हुई है, जो बगड़ी इलाके का निवासी है और शादीशुदा है।

सड़क पर गुजरने वाली छात्राओं से करता है छेड़छाड़: पुलिस के अनुसार, सियाराम साहू अपनी भतीजी को कॉलेज छोड़ने के बहाने बैढ़न आता था। इसी दौरान वह सड़क पर गुजरने वाली छात्राओं से छेड़छाड़ करता था। आरोपी लंबे समय से छात्राओं को परेशान कर रहा था और उन पर आपत्तिजनक टिप्पणियां भी करता था।

छात्राओं ने पुलिस से की थी शिकायत: पीड़ित छात्राओं ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। दैनिक भास्कर डिजिटल ने दो दिन पहले इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज की और कार्रवाई की। नगर एसपी पीएस परस्ते ने बताया कि शिकायत मिलते ही मामले को गंभीरता से लिया गया। जांच के दौरान आरोपी की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं और पूछताछ में सियाराम साहू ने कई छात्राओं को परेशान करने की बात स्वीकार की है।

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल: पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने छात्राओं से अपील की है कि अगर कोई भी व्यक्ति उनके साथ इस तरह की हरकत करता है, तो तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई होगी। इस कार्रवाई के बाद कॉलेज छात्राओं और उनके परिजनों ने पुलिस प्रशासन और मीडिया का आभार व्यक्त किया है।

बेलहा डैम पुनर्जीवन परियोजना का मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा बेलहा डैम पुनर्जीवन परियोजना का स्थल निरीक्षण किया गया। यह परियोजना वित्तीय वर्ष 2021-22 में स्वीकृत हुई थी।

बेलहा डैम पुनर्जीवन का मुख्य उद्देश्य 800 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना, बेलहा टैंक का पुनर्जीवन करना तथा भू-जल स्तर में वृद्धि सुनिश्चित करना है। परियोजना पूर्ण होने पर लगभग 10,000 किसानों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

निरीक्षण के दौरान एडिशनल सीईओ धनंजय मिश्रा तथा जनपद पंचायत के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

प्रांत कार्यकारिणी सदस्य पर महिलाओं से मारपीट का आरोप

हरिजन थाने में शिकायत दर्ज, सुमित जायसवाल बोले-सभी आरोप निराधार

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। हिंदू जागरण मंच महाकौशल प्रांत के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सुमित जायसवाल पर दो महिलाओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। गुरुवार को एक आदिवासी महिला ने हरिजन थाने में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

'बदनाम कर दूंगा' कहकर धमकी देने, मारपीट का आरोप: पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया कि उनके साथ मारपीट की गई और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। महिला का आरोप है कि जायसवाल ने उन्हें 'बदनाम कर दूंगा' कहकर धमकी भी दी। उन्होंने तत्काल कार्रवाई की मांग की है। इससे पहले, एक अन्य महिला ने कोतवाली और एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि 29 नवंबर की रात करीब 9 बजे मैरिज गार्डन के पास सुमित जायसवाल ने उन्हें रोककर मारपीट की, अपशब्द कहे और स्कूटी से उनका पीछा किया।

अभद्र व्यवहार से परेशान होकर महिला ने पद छोड़ा: पहली पीड़िता ने यह भी बताया कि वह पहले हिंदू जागरण मंच की सक्रिय कार्यकर्ता थीं। जायसवाल के लगातार अभद्र व्यवहार से परेशान होकर उन्होंने पद छोड़ दिया और विश्व हिंदू परिषद से जुड़ गईं। उनका कहना है कि संगठन छोड़ने के बाद से आरोपी उन्हें प्रताड़ित कर रहा था। कोतवाली थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने पहले मामले की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 29 नवंबर की रात महिला का आवेदन मिला था, जिसमें मारपीट, गाली-गलौज और पीछा करने की शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

एसपी से भी मामले की जांच की मांग: सोमवार को पहली पीड़िता ने एसपी संतोष वर्मा से भी मुलाकात कर लिखित शिकायत दी थी, जिसके बाद एसपी ने निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए थे।

दोनों मामलों में आरोपी सुमित जायसवाल ने आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया है। उन्होंने कहा, 'ये सभी आरोप निराधार और मनगढ़ंत हैं। मुझे जानबूझकर फंसाने की कोशिश की जा रही है। न मैंने मारपीट की, न गाली-गलौज की और न कोई जातिसूचक शब्द कहा है।'

समानता का संदेश, नई चेतना अभियान 4.0 ने बढ़ाई जागरूकता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विकासखंड सीधी में नई चेतना अभियान 4.0 के तहत जागरूकता से जुड़ी विविध गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और जिला परियोजना प्रबंधक के मार्गदर्शन में 4 दिसंबर 2025 को जनपद पंचायत सीधी के लोक अधिकार केंद्र में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

राज्य इकाई द्वारा प्रदाय दूसरे सप्ताह के कैलेंडर अनुसार मीरा की कहानी का रोल आउट, महिला एवं आजीविका आधारित सांप-सीढ़ी, जेंडर समानता शपथ और महिला सुरक्षा पर केंद्रित रंगोली निर्माण जैसी गतिविधियाँ संचालित की गईं। इन गतिविधियों का उद्देश्य समाज में जेंडर समानता, जागरूकता और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना रहा।

इस आयोजन में जिला इकाई से अजय सिंह, विजय गोस्वामी, दिनेश गौतम, विवेक मिश्रा, अशोक पाण्डेय, मनोज मिश्रा सहित जनपद स्तरीय कर्मचारी, समता समन्वयक और समता सखी शामिल रहे। सत्र के दौरान विकासखंड जेंडर नोडल ने बताया कि अभियान के अंतर्गत पूरे एक माह तक सप्ताहवार गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। प्रतिभागियों को लड़के और लड़कियों के बीच भेदभाव न करने, लिंग आधारित असमानता को समाप्त करने और परिवार में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने संबंधी जागरूकता प्रदान की गई। कार्यक्रम का समापन प्रेरक नारे के साथ किया गया-एक साथ, एक आवाज - समानता के लिए संकल्प का आगाज़।

12 वर्षीय बच्ची कुएं में गिरी, पानी भरते समय फिसला पैर; परिजनों ने जताया आक्रोश मौत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बरगवां थाना क्षेत्र के नगर परिषद बरगवां वार्ड क्रमांक 5 में एक 12 वर्षीय बच्ची की कुएं में गिरने से मौत हो गई। बच्ची की पहचान लाल जी साकेत की नातिन सुषमा के रूप में हुई है। घटना बुधवार रात करीब 11 बजे हुई। बच्ची अपने घर के पास स्थित कुएं से पानी निकाल रही थी। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में जा गिरी।

घटना के तुरंत बाद परिजनों ने आसपास के लोगों की सहायता से बच्ची को कुएं से निकालने का प्रयास शुरू किया। उन्होंने बरगवां थाना पुलिस और रेस्क्यू टीम को भी सूचित किया, लेकिन परिजनों का आरोप है कि देर रात तक कोई सहायता नहीं पहुंची।

लगभग 11 बजे परिजनों ने काफी मशक्कत के बाद बच्ची को कुएं से बाहर निकाला। हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

टीआई बोले- रेस्क्यू में देरी के कारणों की भी जांच की जाएगी: बरगवां थाना प्रभारी मोहम्मद समीर ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी ने यह भी आश्वासन दिया कि रेस्क्यू में देरी के कारणों की भी जांच की जाएगी और संबंधितों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इस संबंध में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

ललिता साकेत बनीं ग्रामीण उद्यमिता की मिसाल, पहुंचीं लखपति क्लब में

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के विकासखंड मझौली के ग्राम ठोंगा की रहने वाली ललिता साकेत आज ग्रामीण महिला उद्यमिता की एक सशक्त और प्रेरणादायक पहचान बन चुकी हैं। सीमित संसाधनों और सामान्य आर्थिक स्थिति वाले अनुसूचित जाति परिवार से आने वाली ललिता दीदी ने अपनी मेहनत, लगन और आजीविका मिशन के सहयोग से वह उपलब्धि हासिल की, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। ललिता दीदी की प्रगति की शुरुआत 29 मार्च 2018 को हुई, जब उन्होंने आस्था स्वसहायता समूह से जुड़कर उद्यमिता के नए रास्ते खोले। महान सीएलएफ दियाडोल के मार्गदर्शन में उन्होंने अपने घर पर पति के साथ मिलकर सिलाई कार्य शुरू किया। इसके बाद आजीविका मिशन से प्राप्त 70 हजार रुपये की पहली सहायता राशि ने उनके व्यवसाय को गति दी और उन्होंने सिलाई कार्य के साथ किराना दुकान भी शुरू कर दी।

ऋण राशि समय पर चुकाने के बाद उन्हें यूबीआई बैंक मझौली से सीसीएल का रिन्यूअल कर 1 लाख 10 हजार रुपये की दूसरी किस्त प्राप्त हुई। इस पूंजी निवेश ने उनके तीनों व्यवसायों-सिलाई कार्य, किराना दुकान और टेंट हाउस सेवाकृको नई दिशा दी। गांव में उनकी टेंट हाउस सेवा विशेष रूप से सफल रही और उनकी आय निरंतर बढ़ती गई।

अपनी मेहनत और विवेकपूर्ण प्रबंधन से ललिता दीदी ने न केवल अपने व्यवसायों का विस्तार किया, बल्कि उन्होंने पति के लिए नई मोटरसाइकिल, परिवार के लिए पक्का मकान, और बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसी उपलब्धियाँ भी हासिल कीं। आज ललिता साकेत प्रति माह 15 से 20 हजार रुपये तक की स्थायी आय अर्जित कर पूरी तरह आत्मनिर्भर हैं और लखपति दीदीके रूप में पहचानी जा रही हैं। ललिता साकेत की यह सफलता कहानी इस बात का प्रेरक उदाहरण है कि आत्मविश्वास, सही मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से कोई भी महिला आर्थिक रूप से सशक्त होकर नई पहचान बना सकती है।

उमाकांत की कोचिंग में बेटियां सीख रहीं बास्केटबॉल

'दंगल' की तरह कन्या महाविद्यालय में पसीना बहा रहीं 15 छात्रा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। कन्या महाविद्यालय परिसर में स्थित बास्केटबॉल कोर्ट पर 15 बच्चियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का सपना संजोए प्रशिक्षण ले रही हैं। चौथी कक्षा की शिवानी सिंह और तीसरी की वेदिका चतुर्वेदी जैसी ये बच्चियां राष्ट्रीय महिला जूनियर बास्केटबॉल टीम के हेड कोच डॉ. उमाकांत के मार्गदर्शन में हर दिन अभ्यास करती हैं।

डॉ. उमाकांत कन्या महाविद्यालय में स्पोर्ट्स ऑफिसर भी हैं। उनका कहना है कि इन बच्चियों में अपार प्रतिभा है और यदि उन्हें बेहतर मैदान, रोशनी तथा उपकरण मिलें तो वे राज्य व देश के लिए पदक जीत सकती हैं। शिवानी सिंह ने बताया, 'मुझे बास्केटबॉल खेलना बहुत पसंद है। मैं बड़े

होकर इंडिया टीम के लिए खेलना चाहती हूं।' वेदिका चतुर्वेदी ने कहा, 'कोच सर हमें सब कुछ सिखाते हैं, हम कभी हार नहीं मानेंगे।' डॉ. उमाकांत का लक्ष्य केवल खिलाड़ी तैयार करना नहीं, बल्कि उनमें अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करना भी है। उनका मानना है कि इन बच्चों का अच्छा नागरिक बनना ही उनकी असली जीत होगी। हालांकि, प्रशिक्षण स्थल पर सुविधाओं की कमी एक बड़ी चुनौती है। कोर्ट की सीमाएं टूटी हुई हैं, गेंदों की संख्या सीमित है और रात में रोशनी की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद, बच्चियां अपने जुनून से इन कमियों को भुलाकर अभ्यास करती हैं।

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि खेल मैदान को बेहतर बनाया जाए ताकि इन उभरती प्रतिभाओं को उचित मंच मिल सके। सिंगरौली जिले के डॉक्टर उमाकांत का यह प्रयास मशहूर हिंदी फिल्म दंगल की याद दिलाता है फिल्म में एक पिता अपने सपनों को बेटियों के रूप में जीने का प्रयास करता है तो यहां डॉक्टर उमाकांत बास्केटबॉल के अपने जुनून को बच्चों में तराश रहे हैं।

'साथी' पर अविश्वास :सरकारी यू टर्न के बावजूद उठे सवाल

संपादकीय

हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि आगामी वर्ष मार्च से हर नये स्मार्टफोन में 'संचार साथी' ऐप पहले इंस्टॉल करना अनिवार्य होगा। दूसरी ओर पुराने स्मार्ट फोनों में इसे सॉफ्टवेयर अपडेट द्वारा भेजा जाएगा। जिसको लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी और शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बनाया। विपक्ष का कहना था कि इससे निजता का उल्लंघन होगा और व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। दरअसल, सरकार का कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। लेकिन विपक्ष का आरोप था कि साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के नाम पर सरकारी हस्तक्षेप से नई तरह की असुरक्षा पैदा हो सकती है। बताया जाता है कि सरकार ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप इस तरह इंस्टाल करने को कहा था ताकि उसे डिलीट या अक्षम न किया जा सके। केंद्र की दलील थी कि यह ऐप उपभोक्ता को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रिपोर्ट लिखवाने में मदद करता। साथ ही चोरी किए गए मोबाइल की बरामदगी आसान हो पाती। लेकिन निजी डेटा सुरक्षा व इसकी कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए, जिसके चलते इसका विरोध हुआ। वैसे सर्च इंजन में पहले से मौजूद इस ऐप को देश के लाखों लोग पहले ही स्वेच्छा से डाउनलोड कर चुके हैं। लेकिन इसको अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के आदेश के बाद विरोध के स्वर उभरने लगे। जिसके बाद विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसके जरिये व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण करके उसके जीवन में ताक-झांक की जा सकती है।

हालांकि, विरोध के सुर मुखर होने के बाद सरकार की ओर से स्पष्टीकरण आया कि यह निर्णय वैकल्पिक है और कोई व्यक्ति इस ऐप को इच्छानुसार डिलीट कर सकता है। निस्संदेह, निजता हमारा मौलिक अधिकार है। ऐसे में किसी ऐप की अनिवार्यता से व्यक्ति की गोपनीयता में खलल पड़ने की आशंका जतायी जाने लगी।

आत्महत्या करते विश्व गुरु भारत के गुरुजन

निर्मल रानी

मतदाता सूची के संशोधन के लिए देश के कई राज्यों में चलाया जा रहा विवादित विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) इन दिनों काफ़ी चर्चा में है। एसआईआर को लेकर कथित तौर पर बरती जा रही अनियमिततायें तो चर्चा में हैं ही साथ ही इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफ़िसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के मामले भी सुर्ख़ियों में हैं। अलग अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक़ नवंबर-दिसंबर 2025 में कम से कम 12 से 20 बीएलओ ने आत्महत्या की है, जबकि आत्महत्या सहित हार्ट अटैक व स्ट्रोक आदि से 30 से अधिक बीएलओ की मृत्यु होने का समाचार है। आत्महत्या करने वाले कई बी एल ओ ने भले ही अपने सुसाईड नोट या आत्महत्या से पूर्व जारी अपने वी डी ओ सन्देश में स्पष्ट रूप से काम के भारी दबाव व तनाव की बात क्यों न की हो परन्तु चुनाव आयोग इन मौतों को एसआईआर से जोड़ने से इंकार करता है और इन्हें अन्य प्रकार के मामले बताता है। आयोग ने इन मौतों को लेकर कुछ विपक्षी दलों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को राजनीतिक क़रार देते हुये कहा है कि ये मौतें एसआईआर प्रक्रिया से सीधे जुड़ी नहीं हैं, और अधिकांश मामलों की जांच चल रही है।

बहरहाल एसआईआर प्रक्रिया व इसी दौरान बूथ लेवल ऑफ़िसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के सन्दर्भ में एक सबसे अहम बात यह है कि आत्महत्या करने वाले इन बूथ स्तरीय अधिकारियों में अधिकांशतः शिक्षक ही शामिल हैं बीएलओ आमतौर पर सरकारी स्कूल शिक्षक ही होते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग सरकारी कर्मचारियों, ख़ासकर शिक्षकों को ही इस भूमिका के लिए नियुक्त करता है। तो क्या राष्ट्र निर्माण की धुरी समझे जाने वाले शिक्षक समाज की नौबत अब यहाँ तक आ पहुंची है कि उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ रहा है वह भी किसी ग़ैर शिक्षण संबंधी कार्य का निर्वहन करते हुये इन घटनाओं ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या देश के गुरुजनों को ऐसी सरकारी ड्यूटी पर लगाना चाहिये जहाँ न केवल उन्हें तनावग्रस्त होना पड़े बल्कि उनकी ड्यूटी के दौरान बाधित होने वाले शिक्षण कार्यों से भी देश के छात्रों का भविष्य प्रभावित हो

भारत सरकार या चुनाव आयोग की नज़रों में शिक्षक की अहमियत क्या है यह तो सरकार व चुनाव आयोग की उदासीनता से बखूबी समझा जा सकता है। परन्तु भारत रत्न ए पी जे अब्दुल कलाम की नज़रों में शिक्षक का महत्व क्या है यह विभिन्न अवसरों पर उन्होंने बयान किया है। अब्दुल कलाम शिक्षकों को समाज का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ मानते थे। वे अक्सर कहते रहते थे कि शिक्षक राष्ट्र-निर्माता होते हैं कलाम साहब कहते थे कि शिक्षक वो नहीं जो छात्र के दिमाग़ में तथ्य ठूँसे, बल्कि एक अच्छा शिक्षक वो है जो छात्र के दिमाग़ में रचनात्मकता की लौ जलाए। शिक्षक का काम सिर्फ़ पढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों के अंदर सपने जगाना और उन्हें पंख देना है। कलाम साहब का मानना था कि अगर कोई देश भ्रष्टाचार-मुक्त और सुन्दर मन वाला समाज चाहता है, तो मुझे पूरा यक़ीन है कि समाज के तीन सदस्य इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं ङ्क माँ, पिता और गुरु। यहाँ तक कि शिलांग में अपने जीवन के अंतिम क्षणों में दिये गये अपने अंतिम भाषण में भी उन्होंने अपनी एक स्मृति का उल्लेख इन शब्दों में किया था - मुझे याद है मेरे शिक्षक ने कहा था -अगर तुम अच्छे शिक्षक बनो, तो तुम्हारा छात्र तुम्हें पार कर जाएगा। मैंने यही किया और आज मेरा छात्र (वे IIM शिलांग के छात्रों की ओर इशारा कर रहे थे) मुझे पार कर जाएगा। यह शिक्षक का सबसे बड़ा इनाम है। कलाम साहब के लिए शिक्षक कोई नौकर नहीं, बल्कि वह राष्ट्र की आत्मा को गढ़ने वाले माली के समान है। वे मानते थे कि एक अच्छा शिक्षक पूरे देश के भविष्य को बदल सकता है। शायद यही वजह थी कि वे स्वयं को भारत रत्न,पूर्व राष्ट्रपति या मिसाईल मैन कहलवाना नहीं बल्कि प्रोफ़ेसर कहलाना ज़्यादा पसंद करते थे। इस सन्दर्भ में हरियाणा सरकार के हाल ही में लिये गये उस फ़ैसले की प्रशंसा करना ज़रूरी है जिसमें राज्य सरकार ने शिक्षकों को केवल शिक्षण कार्य और शिक्षण से जुड़ी गतिविधियों तक ही सीमित रखने का आदेश जारी किया है। यह फ़ैसला शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 की धारा 27 के तहत लिया गया है जिसमें चुनाव ड्यूटी, सर्वे, डेटा एंट्री जैसे ग़ैर-शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त कर केवल स्कूलों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की गई है।

वैज्ञानिक वर्नर हाइजेनबर्ग का जन्म 5 दिसंबर, 1901 को वुर्जबर्ग में हुआ था। वे डॉ. ऑगस्ट हाइजेनबर्ग के बेटे थे। उनके पिता बाद में म्यूनिख यूनिवर्सिटी में मिडिल और मॉडर्न ग्रीक भाषाओं के प्रोफेसर बने। उनका एक शौक क्लासिकल म्यूजिक व एक जाने-माने पियानिस्ट थे। 1937 में हाइजेनबर्ग ने एलिज़ाबेथ शूमाकर से शादी की। उनके सात बच्चे थे, और वे म्यूनिख में रहते थे। शायद उनके असर की वजह से ही हाइजेनबर्ग ने कहा था, जब जापानी फिजिसिस्ट युकावा ने उस पार्टिकल की खोज की जिसे अब मेसॉन के नाम से जाना जाता है और उसके लिए मेसोट्रॉन शब्द सुझाया गया था, कि ग्रीक शब्द मेसोस में ह्लह्न नहीं है, जिसके नतीजे में मेसोट्रॉन नाम बदलकर मेसन हो गया। वर्नर कार्ल हाइज़ेनबर्ग एक जर्मन थ्योरेटिकल फ़िज़िसिस्ट थे, जो क्वांटम मैकेनिक्स की थ्योरी के मुख्य पायनियर में से एक थे और दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मन न्यूक्लियर प्रोग्राम के एक मुख्य साइंटिस्ट थे।

नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक-वर्नर हाइजेनबर्ग

(जन्म दिवस 5 दिसंबर पर विशेष)

संजय गोस्वामी

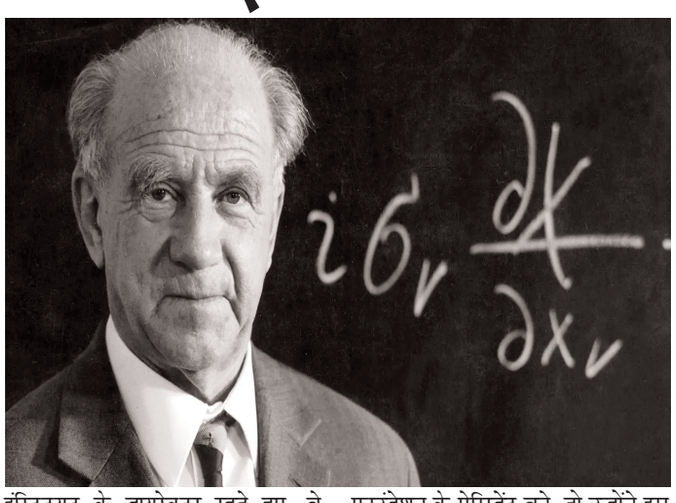

हाइजेनबर्ग ने 1925 में अपना प्रसिद्ध उमदेउतुंग (Umdeutung) पेपर प्रकाशित किया, जिसने क्वांटम यांत्रिकी के मैट्रिक्स फॉर्मूलेशन की नींव रखी। यह पत्र पुराने क्वांटम सिद्धांत की एक प्रमुख पुनर्व्याख्या थी। हाइजेनबर्ग 1920 तक म्यूनिख के मैक्सिमिलियन स्कूल में गए, फिर वे सोमरफेल्ड, विएन, प्रिंग्सहाइम और रोसेंथल से फिजिक्स पढ़ने के लिए म्यूनिख यूनिवर्सिटी गए। 1922-1923 की सर्दियों में वे मैक्स बॉर्न, फ्रैंक और हिल्बर्ट से फिजिक्स पढ़ने के लिए गोटिंगेन गए। 1923 में उन्होंने म्यूनिख यूनिवर्सिटी से क्कद्ध.ष्ठ. की और फिर गोटिंगेन यूनिवर्सिटी में मैक्स बॉर्न के असिस्टेंट बन गए, और 1924 में उन्होंने उसी यूनिवर्सिटी से वेनिया लेजेंडी की डिग्री हासिल की। 1924 से 1925 तक उन्होंने रॉकफेलर ग्रांट के साथ, नील्स बोहर के साथ कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी में काम किया, और 1925 की गर्मियों में गोटिंगेन लौट आए। 1926 में उन्हें नील्स बोहर के अंडर कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी में थ्योरेटिकल फिजिक्स का लेक्चरर अपॉइंट किया गया और 1927 में, जब वे सिर्फ़ 26 साल के थे, उन्हें लीपज़िग यूनिवर्सिटी में थ्योरेटिकल फिजिक्स का प्रोफेसर अपॉइंट किया गया। 1929 में वे यूनाइटेड स्टेट्स, जापान और इंडिया के लेक्चर टूर पर गए। हाइज़ेनबर्ग को क्वांटम मैकेनिक्स में हाइज़ेनबर्ग अनसर्टेनिटी प्रिंसिपल बनाने के लिए सबसे ज़्यादा जाना जाता है, जो कहता है कि कोई भी एक ही समय में सबएटॉमिक पार्टिकल की पोज़िशन और मोमेंटम दोनों को ठीक से नहीं जान सकता है। उन्होंने 1925 में मैट्रिक्स का इस्तेमाल करके क्वांटम मैकेनिक्स का एक वर्शन भी बनाया, जिसके लिए उन्हें 1932 में फ़िज़िक्स का नोबेल प्राइज़ मिला। इसके अलावा, उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के न्यूक्लियर रिसर्च को लीड करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अनसर्टेनिटी प्रिंसिपल~ यह प्रिंसिपल एक बुनियादी लिमिट तय करता है कि फ़िज़िकल प्रॉपर्टीज़ के कुछ जोड़े, जैसे पोज़िशन और मोमेंटम, एक साथ कितनी सटीकता से जाने जा सकते हैं। अनिश्चितता का सिद्धांत क्वांटम मैकेनिक्स में एक बुनियादी कॉन्सेप्ट है जो बताता है कि एक पार्टिकल की पोज़िशन और मोमेंटम जैसी कुछ कॉम्प्लिमेंट्री फ़िज़िकल प्रॉपर्टीज़ के जोड़ों को एक साथ कितनी सटीकता से जाना जा सकता है, इसकी एक सीमा होती है। एक प्रॉपर्टी को जितना ज़्यादा सटीक रूप से मापा जाता है, दूसरी प्रॉपर्टी उतनी ही कम सटीक रूप से जानी जा सकती है; उदाहरण के लिए, किसी पार्टिकल की पोज़िशन का सटीक माप उसके मोमेंटम में ज़्यादा अनिश्चितता लाता है। यह सिद्धांत मैटर की वेव-पार्टिकल डुअलिटी के कारण है और एक को जितना ज़्यादा सटीक रूप से मापा जाएगा, दूसरा उतना ही कम सटीक हो सकता है। क्वांटम मैकेनिक्स~ हाइज़ेनबर्ग क्वांटम मैकेनिक्स के क्षेत्र में एक पायनियर थे, जिन्होंने 1925 में मैट्रिक्स का इस्तेमाल करके इसका एक मुख्य फ़ॉर्मूलेशन डेवलप किया। उनके काम ने मॉडर्न फ़िज़िक्स की ज़्यादातर नींव रखी। नोबेल प्राइज़~ क्वांटम मैकेनिक्स में उनके योगदान के लिए उन्हें 1932 में फ़िज़िक्स का नोबेल प्राइज़ दिया गया था। दूसरे विश्व युद्ध की रिसर्च~ उन्होंने बर्लिन में कैसर विल्हेम इंस्टीट्यूट फॉर फिजिक्स को लीड किया, जो दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के न्यूक्लियर रिसर्च प्रोग्राम में शामिल था। उन्होंने जानबूझकर एटॉमिक बम प्रोजेक्ट को किस हद तक धीमा किया, यह ऐतिहासिक बहस का विषय है। 1941 में उन्हें बर्लिन यूनिवर्सिटी में फिजिक्स का प्रोफेसर और वहाँ कैसर विल्हेम इंस्टीट्यूट फॉर फिजिक्स का डायरेक्टर अपॉइंट किया गया। दूसरे विश्व युद्ध के आखिर में उन्हें और दूसरे जर्मन फिजिसिस्ट को अमेरिकी सैनिकों ने कैदी बनाकर इंग्लैंड भेज दिया, लेकिन 1946 में वे जर्मनी लौट आए और अपने साथियों के साथ मिलकर गॉटिंगेन में इंस्टिट्यूट फॉर फिजिक्स को फिर से बनाया। 1948 में इस इंस्टिट्यूट का नाम बदलकर मैक्स प्लैंक इंस्टिट्यूट फॉर फिजिक्स कर दिया गया। 1948 में हाइजेनबर्ग कुछ महीनों के लिए इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में लेक्चर देने के लिए रुके, और 1950 और 1954 में उन्हें यूनाइटेड स्टेट्स में लेक्चर देने के लिए बुलाया गया। 1955-1956 की सर्दियों में उन्होंने स्कॉटलैंड की सेंट एंड्रयूज यूनिवर्सिटी में गिफोर्ड लेक्चर दिए, ये लेक्चर बाद में एक किताब के तौर पर पब्लिश हुए। 1955 के दौरान हाइजेनबर्ग मैक्स प्लैंक इंस्टिट्यूट फॉर फिजिक्स को म्यूनिख ले जाने की तैयारियों में बिज़ी थे। इस इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर रहते हुए, वे इसके साथ म्यूनिख चले गए और 1958 में उन्हें म्यूनिख यूनिवर्सिटी में फिजिक्स का प्रोफेसर अपॉइंट किया गया। तब उनके इंस्टिट्यूट का नाम बदलकर मैक्स प्लैंक इंस्टिट्यूट फॉर फिजिक्स एंड एस्ट्रोफिजिक्स कर दिया गया था। उनकी नई थ्योरी सिर्फ़ उसी पर आधारित थी जिसे देखा जा सकता है, यानी एटम से निकलने वाले रेडिएशन पर। उन्होंने कहा, हम हमेशा किसी इलेक्ट्रॉन को किसी खास समय पर स्पेस में कोई पोजीशन नहीं दे सकते, न ही उसके ऑर्बिट में उसका पीछा कर सकते थे, इसलिए हम यह नहीं मान सकते कि नील्स बोहर द्वारा बताए गए ग्रहों के ऑर्बिट असल में मौजूद थे। मैकेनिकल क्वांटिटी, जैसे पोजीशन, वेलोसिटी, वगैरह को आम नंबरों से नहीं, बल्कि मैट्रिसेस नाम के एब्स्ट्रैक्ट मैथमेटिकल स्ट्रक्चर से दिखाया जाना चाहिए और उन्होंने अपनी नई थ्योरी मैट्रिक्स इक्वेशन के हिसाब से बनाई। बाद में हाइज़ेनबर्ग ने अपना मशहूर अनिश्चितता का सिद्धांत बताया, जो यह बताता है कि एक मोबाइल पार्टिकल की पोजीशन और मोमेंटम तय करने में ज़रूरी तौर पर गलतियाँ होती थे, जिनका प्रोडक्ट क्वांटम कॉन्स्टेंट द्ध से कम नहीं हो सकता और, हालाँकि ये गलतियाँ इंसानी पैमाने पर बहुत कम थे, लेकिन एटम की स्टडी में इन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। 1957 के बाद से हाइज़ेनबर्ग प्लाज़्मा फ़िज़िक्स और थर्मोन्यूक्लियर प्रोसेस की समस्याओं पर काम करने में दिलचस्पी रखते थे, और जिनेवा में इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ एटॉमिक फ़िज़िक्स के साथ मिलकर भी बहुत काम किया। वह कई सालों तक इस इंस्टिट्यूट की साइंटिफिक पॉलिसी कमेटी के चेयरमैन रहे और बाद में भी इस कमेटी के सदस्य बने रहे। जब वह 1953 में अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फ़ाउंडेशन के प्रेसिडेंट बने, तो उन्होंने इस फ़ाउंडेशन की पॉलिसी को आगे बढ़ाने के लिए बहुत कुछ किया, जो दूसरे देशों के साइंटिस्ट को जर्मनी बुलाना और उन्हें वहाँ काम करने में मदद करना था। 1953 से उनका अपना थ्योरेटिकल काम एलिमेंट्री पार्टिकल्स की यूनिफाइड फ़ील्ड थ्योरी पर केंद्रित था, जो उन्हें एलिमेंट्री पार्टिकल्स की फ़िज़िक्स को समझने की कुंजी लगती है। कई मेडल और प्राइज़ के अलावा, हाइज़ेनबर्ग को यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रुक्सेल्स, टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी कार्लज़ूए और हाल ही में (1964) यूनिवर्सिटी ऑफ़ बुडापेस्ट से डॉक्टरेट की ऑनरेरी डिग्री मिली; उन्हें ऑर्डर ऑफ़ मेरिट ऑफ़ बवेरिया और ग्रैंड क्रॉस फ़ॉर फ़ेडरल सर्विसेज़ विद स्टार (जर्मनी) भी मिला है। वह रॉयल सोसाइटी ऑफ़ लंदन के फ़ेलो और नाइट ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ मेरिट (पीस क्लास) थे। वह इसके मेंबर थे।गोटिंगेन, बवेरिया, सैक्सनी, प्रशिया, स्वीडन, रोमानिया, नॉर्वे, स्पेन, नीदरलैंड्स, रोम (पोंटिफिकल), जर्मन एकेडमी डेर नेचुरफोर्स्चर लियोपोल्डिना (हाले), एकेडेमिया देई लिंसेई (रोम), और अमेरिकन एकेडमी ऑफ साइंसेज की एकेडमीज ऑफ साइंसेज के। 1949-1951 के दौरान वह ड्यूश फोर्सचुंगसराट (जर्मन रिसर्च काउंसिल) के प्रेसिडेंट थे और 1953 में वह अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन के प्रेसिडेंट बने। वर्नर हाइजेनबर्ग की मौत 1 फरवरी, 1976 को हुई थी। हाइजनबर्ग का नाम हमेशा उनकी क्वांटम मैकेनिक्स की थ्योरी से जुड़ा रहेगा, जो 1925 में पब्लिश हुई थी, जब वे सिर्फ़ 23 साल के थे। इस थ्योरी और इसके इस्तेमाल के लिए, जिससे खासकर हाइड्रोजन के एलोट्रोपिक रूपों की खोज हुई, हाइजनबर्ग को 1932 का फिजिक्स का नोबेल प्राइज दिया।

ओटीटी की अश्लीलता - साहित्य परिषद् व सर्वोच्च न्यायालय गंभीर

नवम्बर माह में विमर्श क्षेत्र में दो बड़ी घटनाएँ घटी। दोनों अति महत्वपूर्ण हैं और दोनों ही में गहन अंतरसंबंध है। घटना एक - नवंबर प्रारंभ मे अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने अपने 17 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रही अश्लील, संस्कृति विरोधी सामग्री के विरुद्ध अपनी चिंता प्रकट की और इसके विरुद्ध एक प्रस्ताव पारित कर राष्ट्र के शासन, प्रशासन, जनता के समक्ष अपनी चिंता को प्रकट किया है। अभासाप अर्थात् राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवैचारिक संगठन, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्। यह संगठन भारत में जन्मी सभी भाषा, बोलियों, लिपियों के सरंक्षण, संवर्धन, संवरण का कार्य करता है। अपने षष्ठिपूर्ति वर्ष की ओर बढ़ रहे इस संगठन का ताप, व्याप और आलाप समूचे विश्व में देखा-सुना जा सकता है।

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

घटना दो - नवम्बर के अंत में ही, देश के उच्चतम न्यायालय ने भी भारतीय ओटीटी नियमन, इस पर प्रसारित हो रही अश्लीलता व मूल्यहीनता पर चिंता प्रकट की है।

भारतीय समाज जैसे संज्ञावान, प्रज्ञावान समाज में ऐसी स्थिति बनी ही क्यों इस प्रश्न का उत्तर स्वयं समाज को खोजना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ के संवैचारिक संगठन समाज की किसी भी समस्या के सदंर्भ में एक सीमा तक चुप ही रहते हैं किंतु समाज में 'असंगत घटनाओं' के संदर्भ में अदृश्य रूप से विमर्श अवश्य जागृत करते रहते हैं। जब इस विमर्श से भी काम नहीं चलता एवं समाज जागृत नहीं होता है तब ही संघ या संघ के संवैचारिक संगठन सार्वजनिक रूप से किसी कार्य के सूत्रों को अपने हाथों में लेते हैं। ऐसी स्थिति में भी संघ सूत्रधार तो रहता है किंतु उसे नेपथ्य में ही रहना रुचिकर लगता है। इस हेतु से ही साहित्य परिषद् ने ओटीटी की अश्लीलता, गेमिंग एप्स के घातक परिणामों के प्रति समाज जागरण का यह कार्य प्रारंभ किया है। ये दोनों ही घटनाएँ एक स्वस्थ, संपन्न, व समृद्ध राष्ट्र हेतु एक शुभ लक्षण हैं। यद्यपि इस प्रकार का प्रसारण प्रारंभ ही नहीं होना चाहिए था। अब शीघ्र ही बंद हो ही जाना चाहिए।

साहित्य परिषद् ने समाज में भौतिकता वादी शक्तियों, बाजारवाद, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की

नकारात्मकता, समाज विरोधी स्वरूप, जीवन मूल्य विहीन प्रसारण आदि पर अपनी चिंता, राष्ट्र के समक्ष प्रकट की है।

साहित्य परिषद् ने मनोरंजन के नाम पर प्रसारित इस गंदगी को अत्यंत लज्जास्पद एवं निंदनीय बताया है। परिषद् ने चेताया है कि, ये सामग्री युवावर्ग और बालमन व मस्तिष्क में उग्रता, अश्लीलता, विकृत यौनाचार और नशाखोरी जैसे दुराचारों को महिमा मंडित कर उन्हें अधोपतन की ओर अग्रसित कर रही है। इन माध्यमों में प्रदर्शित अधिकांश दृश्य व सामग्री नकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाली होती है। साहित्य परिषद् ने ओटीटी के माध्यम से चल रहे गेमिंग एप्स और उससे बढ़ रही आत्महत्या की प्रवृत्ति को भी राष्ट्र के संज्ञान में लाया है। परिषद् ने अपने पारित प्रस्ताव में ओटीटी पर प्रसारित होने वाली अधिकांश सामग्री को भारतीय जीवन मूल्यों

पर आघात करने वाली, राष्ट्र के स्वरूप व छवि को विकृत करके प्रस्तुत करने वाली सामग्री बताते हुए अपनी चिंता प्रकट की है। परिषद् ने कहा है कि ऐसी सामग्री का अनियंत्रित प्रसारण समाज एवं राष्ट्र जीवन के लिए अत्यधिक घातक है।

विगत कुछ वर्षों में भारत राष्ट्र में 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के नाम पर कुछ भी वितंडा उत्पन्न किए जा रहे हैं। 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के पश्चिम कुबोध ने या यूँ कहे कि इसकी 'पश्चिमी प्रेत छाया' ने भारत में अभिव्यक्ति के अर्थों को पुनर्परिभाषित की आवश्यकता इंगित कर दी है। अब समाज इस अभिव्यक्ति को पुनर्परिभाषित करे या यूँ ही ओटीटी पर अश्लीलता व ऑनलाइन गेमिंग से बर्बाद होती अपनी पीढ़ी के प्रति आँखे मूँदे रहे; यही दो मार्ग हैं। एक मार्ग चुनना है, विकास या विनाश; यही युगधर्म है।

इस अनुरूप साहित्य परिषद् ने कहा है - अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि समाज की गरिमा और नैतिकता को नष्ट करने की छूट दी जाए। स्वतंत्रता और अनुशासन, सृजन और मर्यादा, ये दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। साहित्य परिषद् ने अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में आगामी तीन वर्षों हेतु 'आत्मबोध से विश्वबोध' पर चिंतन, मनन, अध्ययन का वैचारिक मार्ग निश्चित किया है। आत्मबोध करते हुए ही यह विकृति ध्यान में आती है। भारत राष्ट्र की, जन-मन की विश्वबोध क्षमता के प्रकटीकरण, विश्वगुरु बनने के मार्ग पर अग्रसर होने के मध्य निश्चित ही यह चिंतनीय प्रस्ताव और यह मांगपत्र स्वयं में एक प्रकाशस्तम्भ की भाँति समाज का मार्ग आलोकित कर रहा है।

साहित्य परिषद् ने भारत सरकार से, राज्य सरकारों से माँग की है कि

1. ओ टी टी प्लेटफॉर्म एवं गेमिंग एप्पस पर प्रसारित होने वाली प्रत्येक सामग्री के परीक्षण, नियमन, और वर्गीकरण हेतु शासन द्वारा एक सशक्त, स्वायत्त विधायी नियामक संस्था का गठन किया जाए।

2. डिजिटल माध्यमों में प्रस्तुत किसी भी दृश्य संवाद याविवार को भारत की संविधानिक गरिमा, धार्मिक आस्था, सातकृतिक मूल्यों या सामाजिक मर्यादा और सनातन परंपरा को आहत करते हों, उन पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

3. किशोरों और युवाओं के लिए उपयुक्त सामग्री के आयु आधारित नियंत्रण तंत्र को अनिवार्य बनाया जाए।

4. जो मंच या माध्यम अश्रीलता, हिंसा, नशाखोरी या विकृत जीवन मूल्यों का प्रचार करते हैं, उनके विरुद्ध कठोर कानूनी दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

5. भारतीय भाषाओं और संस्कृति के संवर्द्धन हेतु भारतीय मूल्यों पर आधारित वैकल्पिक मनोरंजन माध्यमों को प्रोत्साहित किया जाए।

इधर अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने यह प्रस्ताव पारित किया और उधर संयोगवश देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस संदर्भ में अपनी गहन चिंता का सार्वजनिक प्रकटीकरण कर दिया है।

मान. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया और अन्य द्वारा इंडियाज गॉट लेटेंट शो में कथित अश्लील कंटेंट से जुड़ी एफआईआर के संदर्भ में चल रहे केस के संदर्भ में यह बातें कहीं है।

न्यायालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री को लेकर चिंता प्रकट करते हुए सरकार से इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय बनाने या वर्तमान नियमों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और अश्लील सामग्री के लिए हमेशा पहले से चेतावनी दी जानी चाहिए। मान. सर्वोच्च न्यायाधीश ने कहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अमूल्य अधिकार है किंतु यह विकृति का कारण नहीं बन सकती।

एमसीबी में शीतकालीन सत्र में छुट्टी पर रोक

कलेक्टर ने विभागों को उत्तर तैयार करने के लिए सेल बनाने के निर्देश दिए

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का आठवां शीतकालीन सत्र 14 से 17 दिसंबर 2025 तक आयोजित होगा। इस दौरान सभी शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों के छुट्टी और मुख्यालय छोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सत्र की अवधि में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को किसी भी प्रकार का छुट्टी नहीं दिया जाएगा। इमरजेंसी में ही कलेक्टर से अनुमति प्राप्त कर छुट्टी पर जाया जा सकेगा।

कलेक्टर ने सभी विभागों और जिला प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि वे विधानसभा प्रश्नों के उत्तर तैयार करने और उन्हें समय पर भेजने के लिए अपने-अपने कार्यालयों में एक विशेष सेल का गठन करें। प्राप्त विधानसभा प्रश्नों के उत्तर फैक्स और ईमेल के माध्यम से भेजे जाएंगे। इसके साथ ही, की गई कार्यवाही की प्रति भी संबंधित कार्यालय को सूचित करना सुनिश्चित किया जाएगा।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में दिए महत्वपूर्ण निर्देश: एमसीबी जिला कार्यालय में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में एक वर्चुअल समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री पोर्टल, जन शिकायतों और सरगुजा प्राधिकरण के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने न्यायालयीन प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण और जनदर्शन में लंबित मामलों के त्वरित निपटान के निर्देश दिए। उन्होंने जेम पोर्टल से खरीद को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। बड़े विभागों को अपने वेंडरों की सूची तैयार कर उसी के अनुसार खरीददारी सुनिश्चित करने को कहा गया। सभी विभागों को मासिक जीएसटी रिटर्न फाइल अद्यतन करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने अग्रणी जिला प्रबंधक संदीप पाटिल को निर्देश दिए कि जिन विभागों के खातों में राशि उपलब्ध है परंतु वे सक्रिय नहीं हैं, उन्हें तुरंत चालू कराया जाए ताकि उपलब्ध निधि का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो सके।

भूमि निरीक्षण के निर्देश: भूमि आवंटन की समीक्षा करते हुए, कलेक्टर ने खड़गवां में नवीन उप-पंजीयक भवन, डंगौरा में उद्यानिकी विभाग के लिए नर्सरी और चिरमिरी में नए डीएवी स्कूल के प्रस्तावों की जानकारी ली। जल संसाधन विभाग को भू-अर्जन के रिकॉर्ड अद्यतन करने और जिला शिक्षा अधिकारी को डाइट और नवोदय विद्यालय के लिए आवंटित भूमि का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए।

रापा-खेरवा मार्ग प्रस्ताव पर निर्देश: पीडब्ल्यूडी विभाग को साजा-पहाड़ से चैनपुर मुआवजा प्रकरण की कार्रवाई एसडीएम स्तर पर पूरी करने और रापा-खेरवा मार्ग का प्रस्ताव जल्द प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा ने भरतपुर के फलझर और दुधासी, तथा मनेंद्रगढ़ के कछौड़ और बुंदेली में आधार केंद्र खोलने के लिए स्थान चिन्हित करने की जानकारी दी।उन्होंने सभी एसडीएम और जनपद सीईओ को प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित कार्यों की वसूली सुनिश्चित करने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए।

रतनपुर में वनभूमि अतिक्रमण पर बड़ा खुलासा, हटाए गए अतिक्रमक ने ही बेचने वाले का नाम बताया; नेताओं के दावों पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रतनपुर (निप्र)। रतनपुर ग्राम में हाल ही में हुई वनभूमि अतिक्रमण कार्रवाई को लेकर नया बड़ा खुलासा सामने आया है। जिस अतिक्रमक का निर्माण हटाया गया था, उसने स्वयं बयान दिया है कि यह जमीन उसे करीमन नाम के व्यक्ति ने बेची थी। यह वही करीमन है, जिसका पट्टा दिखाकर कांग्रेस नेता और दीपक बैज यह दावा कर रहे थे कि पट्टा धारकों के मकान तोड़े गए और प्रशासन ने अन्यायपूर्ण कार्रवाई की है।

लेकिन राजस्व दस्तावेजों और पट्टे की वास्तविकता सामने आने के बाद नेताओं के दावों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जांच में स्पष्ट हुआ है कि जो पट्टा प्रचारित किया जा रहा है, उसमें खसरा क्रमांक राजस्व वनभूमि का उल्लेख है और यह उस वनभूमि से बिल्कुल अलग है, जहाँ वृक्षारोपण के लिए सुरक्षित क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया गया था।

अधिकारियों का कहना है कि जिस जमीन से निर्माण हटाया गया, वह शुद्ध वनभूमि है, जिसकी खरीदी-बिक्री किसी भी रूप में संभव नहीं है।

वन विभाग के अनुसार, सभी अतिक्रमकों को पहले नोटिस जारी किए गए थे और निर्धारित समयावधि में जवाब न मिलने के बाद कार्रवाई की गई। यह भूमि पूर्व में वृक्षारोपण के लिए चिन्हित क्षेत्र में आती है, जहाँ किसी भी प्रकार का निजी निर्माण पूर्णत: प्रतिबंधित है।

स्थानीय प्रशासन का कहना है कि कुछ राजनैतिक नेताओं द्वारा गलत पट्टा दिखाकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है, जबकि वास्तविक स्थिति बिल्कुल अलग है। वहीं ग्रामीणों में भी अब यह चर्चा तेज़ है कि यदि भूमि खरीदी-बिक्री ही गैरकानूनी थी तो फिर जिम्मेदारी केवल खरीदार पर नहीं, बेचने वालों पर भी तय होनी चाहिए।

पूरा मामला अब जिला प्रशासन और वन विभाग की संयुक्त रिपोर्ट के बाद और स्पष्ट होने की संभावना है।

एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ के साथ हुई दुर्व्यवहार पर सरपंच पति ने एसडीएम कार्यालय जाकर मांगी माफी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम पंचायत बिछियाटोला में 29 नवंबर 2025 को आयोजित ग्राम सभा के दौरान एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुष्मिता तिवारी के साथ सरपंच पति दीप नारायण द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने का मामला अब प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है। ग्राम सभा में बाल विवाह मुक्त शपथ कार्यक्रम को लेकर सुष्मिता तिवारी सरपंच सोनकुंवर से औपचारिक चर्चा कर रही थीं, तभी सरपंच पति ने बीच में दखल देते हुए न सिर्फ सभा की प्रक्रिया में बाधा डाली, बल्कि दुर्व्यवहार कर सभा की गरिमा को ठेस पहुंचाई।

जिले की सभी उपार्जन केन्द्रों से आज 14969.20 क्विंटल हुई धान खरीदी

मुख्यमंत्री के ऐतिहासिक निर्णय से किसानों में प्रसन्नता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिला संबल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ सरकार के ऐतिहासिक निर्णय ने किसानों को वह सम्मान और भरोसा दिया है जिसकी प्रतीक्षा वे वर्षों से कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी और 3100 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य ने कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा, विश्वास और आर्थिक मजबूती प्रदान की है।

इस पारदर्शी खरीदी व्यवस्था से किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है, ग्रामीण बाजारों में रौनक बढ़ी है, कृषि उपकरणों की खरीद में तेजी आई है, पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुगम हुई है और किसान आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा होने से पारदर्शिता और त्वरित आर्थिक लाभ सुनिश्चित हुआ है।

जिले के 25 उपार्जन केन्द्रों में आज सुचारू खरीदी: एमसीबी जिले के सभी 25 उपार्जन केंद्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार धान खरीदी प्रक्रिया आज बेहद सुचारू और सफल रही। कुल 310 टोकन दर्ज किए गए, जिनमें से 255 समिति द्वारा तथा 55 टोकन ऐप के माध्यम से जारी किए गए।

मनेंद्रगढ़ में सैकड़ों मतदाता गैरमौजूद, बीएलओ बना रहे पंचनामा, नोटिस जारी कर मिलेगा एक और मौका

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य अंतिम चरण में है। इस प्रक्रिया के तहत प्रत्येक मतदाता को बीएलओ के माध्यम से एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित कर सत्यापन और डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। यह कार्य 11 दिसंबर 2025 तक पूरा किया जाना अनिवार्य है।

इस पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में लापता मतदाताओं की पहचान हुई है। बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) अब इन गैरमौजूद मतदाताओं का पंचनामा तैयार कर सूची बना रहे हैं। सूची तैयार होने के बाद इन मतदाताओं को नोटिस जारी कर एक और मौका दिया जाएगा।

इसके बाद दावा-आपत्ति के लिए लगभग एक महीने का समय मिलेगा। जानकारी के अनुसार, मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन 16 दिसंबर को किया जाएगा। इसके बाद सभी लापता मतदाताओं को नोटिस जारी कर सुनवाई का अवसर दिया जाएगा।

यदि इस अवसर के बावजूद मतदाता उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन फरवरी 2026 में किया जाएगा। फिलहाल, मनेंद्रगढ़ में कार्यरत बीएलओ को अधिकांश बूथों पर लापता मतदाता मिल रहे हैं।

डोमनहील में आतंक मचा रहे शातिर गुंडे विक्की की गिरफ्तारी, 14 पुराने केस भी आए सामने

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा चलाई जा रही सख्त मुहिम के तहत चिरमिरी थाना क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले कुख्यात बदमाश विक्रम सिंह उर्फ विक्की (28 वर्ष) को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह द्वारा गुंडा तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का निर्देश देने के बाद लगातार शिकायतों की समीक्षा की गई। इसी क्रम में पाया गया कि आरोपी 24 नवंबर 2025 से डोमनहील व आसपास के क्षेत्रों में घूम-घूमकर अश्लील गाली-गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने जैसी हरकतों से आम नागरिकों में भय का माहौल बना रहा था।

इस संबंध में प्रार्थी सिद्धार्थ सिंह आंडिल, अमित कुमार बेहरा, अविनाश मनहर, सीमा रवि तथा शत्रुघन सिंह सहित कई लोगों ने अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई थीं। इन शिकायतों पर अपराध क्रमांक 312/25, 333/25, 337/25, 340/25 सहित कई मामलों में 296, 351(2), 115(2), 324(4), 331(4) बीएनएस एवं एससी/एसटी एक्ट की गंभीर धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी दीपिका मिंज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उप निरीक्षक विजय सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। मुखबिर की सूचना पर टीम ने आरोपी विक्की को 03 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के विरुद्ध चिरमिरी थाने में 14 आपराधिक प्रकरण पहले से दर्ज हैं, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति साफ झलकती है।

इस कार्रवाई में सउनि दिनेश्वर प्रसाद रवि, चित्रभान सिंह, पुरनचंद राजवाड़े, प्रधान आरक्षक अशोक एक्का, विश्वनाथ सिंह, राजेश सिंह, लाल मोरध्वज सिंह, अजय पोया, आरक्षक भगवान सिंह, विनित सिंह व भुवनेश्वर प्रसाद की सराहनीय भूमिका रही।

बरबसपुर विद्यालय में विवाह आयोजन कराने पर प्रधान पाठक को सौंपा गया कारण बताओ नोटिस

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासकीय प्राथमिक शाला बरबसपुर, संकुल बरबसपुर में विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाने के मामले पर जिला शिक्षा अधिकारी ने गंभीरता दिखाते हुए प्रधान पाठक रधुनाथ प्रसाद को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मीडिया में प्रकाशित खबर के अनुसार 26 नवम्बर गुरुवार को विद्यालय परिसर में विवाह समारोह आयोजित किया गया, जिसके बाद प्रांगण में भारी मात्रा में कचरा और डिस्पोज़ल सामग्री फैली हुई मिली तथा सफाई की जिम्मेदारी निभाने में आयोजनकर्ता पूर्णत: विफल रहा।

जिले में पीएमजीएसवाई से बदला विकास का भूगोल

जिले की पक्की सड़कों ने जोड़ा गांव-गांव, बढ़ी व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीणों में बड़ी नई उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिला अपनी पहाड़ी, वनाच्छादित और दूरस्थ भौगोलिक स्थितियों के कारण लंबे समय तक संपर्कहीनता की समस्या से जूझता रहा। कई गांव ऐसे थे जहां पहुंचना मौसम के भरोसे होता था। बरसात में सड़कें कट जाती थीं, लोग घरों में कैद हो जाते थे और रोगी, छात्र, किसान सभी कठिनाइयों का सामना करते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने इस जिले का भूगोल ही बदल दिया। आज जिले के अधिकांश गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं और जहां कार्य शेष है, वहां निर्माण युद्धस्तर पर जारी है। यह सड़क जाल सिर्फ कंक्रीट या डामर का ढांचा नहीं है बल्कि यह गांवों की नई किस्मत है, ग्रामीण जीवन की धड़कन है और विकास का असली आधार है।

पहाड़ी रास्तों से पक्की सड़क तक - एक परिवर्तन की कहानी: एमसीबी जिले की ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों, दुरूह घाटियों और गहरे जंगलों में बसे गांव वर्षों तक मुख्यधारा से दूर रहे। गांवों तक पहुँचने के लिए कभी पगडंडी, कभी नदी का उफान और कभी पहाड़ी रास्तों का सहारा लेना पड़ता था। पीएमजीएसवाई के तहत जब सड़कों का सर्वेक्षण शुरू हुआ, तो ग्रामीणों के बीच उम्मीद की एक नई किरण जागी। आज वही गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं। अब छोटे वाहनों से लेकर एम्बुलेंस और कृषि वाहन तक आराम से पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में भी आवागमन बाधित नहीं होता। स्कूल, अस्पताल, बाजार और तहसील सबकी दूरी कम हो गई है। यह बदलाव सिर्फ यात्रा में समय घटने का नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता बढ़ने का है।

किसानों की बढ़ी आर्थिक रफ्तार - बाजार हुआ पास: पहले किसान खेतों से उपज को बैलगाड़ी या अपने सिर पर उठाकर ले जाते थे। कई बार फसल मंडी तक पहुंचते-पहुंचते खराब भी हो जाती थी। नई सड़कों का प्रभाव कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी रहा । जिसमें ट्रैक्टर, पिकअप, मिनी ट्रक अब गांव तक पहुंच रहे हैं। धान, कोदो-कुटकी, मक्का, सब्जियां और लघु वनोपज आसानी से मंडी पहुंच रही हैं।

झगराखांड नगर पंचायत अध्यक्ष, पार्षद समेत 4 कांग्रेसियों को निकाला; जिलाध्यक्ष ने भाजपा में शामिल होने पर प्राथमिक सदस्यता समाप्त की

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के नगर पंचायत झगराखांड में कांग्रेस ने चार नेताओं को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। इनमें नगर पंचायत अध्यक्ष रीमा यादव, वार्ड नंबर 15 की पार्षद अजीजुन निशा और दो पूर्व उपाध्यक्ष रमेश यादव व सत्तार अली शामिल हैं।

यह कार्रवाई कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने की है। पार्टी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, इन सभी नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है और वे भाजपा की गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। इसी कारण यह निर्णय लिया गया है।

भाजपा में शामिल हुईं झगराखांड नगर पंचायत अध्यक्ष-पार्षद: बीते 27 नवंबर

को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के मनेंद्रगढ़ प्रवास के दौरान नगर पंचायत झगराखांड की अध्यक्ष रीमा यादव और पार्षद अजीजुन निशा ने भाजपा के मंच पर प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष पार्टी की सदस्यता ली थी।

इस घटनाक्रम पर कांग्रेस जिला प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने भाजपा पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को डरा-धमकाकर अपनी पार्टी में शामिल करा रही है।

कांग्रेस का आरोप- नेताओं को डराकर भाजपा कर रही सदस्यता अभियान: मिश्रा ने आगे कहा कि कुछ जनप्रतिनिधि भय के कारण भाजपा की सदस्यता ले रहे हैं, लेकिन भाजपा जिस मकसद से यह कर रही है, उसमें वह सफल नहीं हो पाएगी।

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव से पहले झगराखांड के तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश पांडेय को भी भाजपा में शामिल कराया गया था, इसके बावजूद निकाय चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था।

ग्राम मुकुन्दपुर में राजस्व सर्वेक्षण के अभिलेख जारी - 15 दिवस के भीतर दावा-आपत्ति आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में असर्वेक्षित ग्रामों के राजस्व सर्वेक्षण का कार्य तीव्र गति से जारी है। असर्वेक्षित ग्रामों का राजस्व सर्वेक्षण प्रक्रियाधीन है। इसी क्रम में ग्राम मुकुन्दपुर (पं.ह.क्र. 02), राजस्व निरीक्षक मंडल व तहसील चिरमिरी जिला एमसीबी (छ.ग.) में वन से राजस्व ग्राम घोषित है, का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कार्य एजेंसी आई.टी.आई रूढ़की द्वारा अंतिम प्रकाशन हेतु तहसील चिरमिरी अंतर्गत ग्राम मुकुंदपुर के 01 नक्शा शीट उपलब्ध कराया गया है। संबंधित नक्शा शीटों का भौतिक सत्यापन राजस्व सर्वेक्षण दल द्वारा कराया जाकर नक्शा व खसरा तैयार किया गया। हल्का पटवारी द्वारा तैयार राजस्व अभिलेख खसरा व नक्शा भू-धारकों के अवलोकन हेतु संबंधित पंचायत भवन में कार्यालयीन अवधि में उपलब्ध रहेगा।

उक्त संबंध में हल्का पटवारी द्वारा तैयार किये गये नक्शा शीटों एवं खसरों पर जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से आगामी 15 दिवस के भीतर लिखित/भौतिक आवेदन कार्यालयीन समय में स्वयं या अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति संबंधित ग्राम पंचायत भवन में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय अवधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। राजस्व विभाग ने सूचित किया है कि जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था या हितधारक को तैयार नक्शा या खसरा अभिलेखों पर दावा, आपत्ति या सुझाव प्रस्तुत करना हो, वे प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर अपना आवेदन लिखित रूप में या भौतिक स्वरूप में, स्वयं उपस्थित होकर अथवा अभिभाषक के माध्यम से पंचायत भवन में जमा कर सकते हैं।

किसान के खेत पर दिखा 15 फीट लंबा अजगर

नरसिंहपुर, एजेंसी। नरसिंहपुर जिले के तेंदूखेड़ा क्षेत्र में गुरुवार को एक किसान के खेत में लगभग 15 फीट लंबा अजगर देखा गया। अजगर दिखने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। यह घटना तेंदूखेड़ा तहसील के भौरा गांव में हुई। किसान अपने खेत में बोनी कर रहा था, तभी उसे फसल के बीच अजगर दिखाई दिया। किसान ने तुरंत इसकी सूचना ग्रामीणों को दी।

सिंगरौली में कुएं में मिला महिला का शव :बेटी ने पिता-चाची पर लगाया हत्या का आरोप

सिंगरौली, एजेंसी। सिंगरौली के बैढ़न थाना क्षेत्र अंतर्गत सासन हनुमान मंदिर इलाके में एक महिला का शव कुएं में मिला है। राजकुमारी शाह (35) का शव गुरुवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सासन चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

बेटी ने पिता, चाची और दादी पर लगाया हत्या का आरोप: मृतका की बेटी पूजा शाह ने इसे सामान्य मौत मानने से इनकार करते हुए हत्या का आरोप लगाया है। पूजा ने अपने पिता भूपेश शाह, चाची सुरसती शाह और दादी कलावती शाह पर मां की हत्या कर शव कुएं में फेंकने का आरोप लगाया है। बेटी के अनुसार, उसके पिता और चाची के बीच अवैध संबंध थे, जिसके कारण परिवार में लगातार विवाद चल रहा था।

पिता-चाची के बीच अवैध संबंध का लगाया आरोप: पूजा शाह ने बताया कि मृतका और आरोपियों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। पारिवारिक रिश्ते बिगड़ते जा रहे थे और घर में कलह का माहौल था। इस संबंध में पहले भी कई बार पुलिस चौकी में शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। सासन चौकी प्रभारी संदीप नामदेव ने जानकारी दी कि पुलिस को सुबह एक महिला के कुएं में गिरने से मौत होने की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि परिजनों द्वारा लगाए गए आरोप गंभीर हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

नामदेव ने यह भी पुष्टि की कि पति-पत्नी के बीच विवाद की शिकायतें पहले भी दर्ज हुई थीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर सभी पहलुओं से जांच शुरू कर दी है।

सतना में दीवार गिरने से 6 वर्षीय बच्ची की मौत-एक राहगीर घायल, सिद्धार्थ नगर में हादसा

सतना, एजेंसी। सतना जिले के कोलगवां थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ नगर में बुधवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक पुराने कच्चे मकान की दीवार गिरने से 6 साल की बच्ची माही कोरी की मौत हो गई। हादसे में एक राहगीर संतोष पांडे भी घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, माही घर के पास खेल रही थी तभी अचानक पास के जर्जर मकान की दीवार ढह गई और वह मलबे में दब गई। पास के घर में दीपक तिवारी के यहां निर्माण कार्य चल रहा था और उसके बगल में यह कच्चा मकान था, जिसकी दीवार गिरने से हादसा हुआ। संतोष पांडे उसी समय वहां से गुजर रहे थे, जिन पर भी मलबा गिरा, जिससे उन्हें चोट आई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बच्ची को मलबे से निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने माही को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस हादसे से इलाके में शोक का माहौल है।

रतलाम में हिस्ट्रीशीटर गजनी का जुलूस

20 हजार की रंगदारी न देने पर की थी तोड़फोड़; 17 दिन बाद अमृत सागर तालाब से पकड़ाया

रतलाम, एजेंसी। सैलाना में किराना व्यापारी से 20 हजार रुपए की रंगदारी मांगने और मारपीट करने वाले हिस्ट्रीशीटर बदमाश दिनेश गुर्जर उर्फ %गजनी% को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को रतलाम के अमृत सागर तालाब क्षेत्र से दबोचा और सैलाना लाकर उसका पैदल जुलूस निकाला। बदमाश पिछले 17 दिनों से फरार चल रहा था। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने मध्य प्रदेश और राजस्थान के दो दर्जन ठिकानों पर दबिश दी थी।

घटना 17 नवंबर की है। गजनी अपने साथी कमलेश जाट के साथ दिलीप मार्ग स्थित एक किराना दुकान पर पहुंचा था। उसने व्यापारी से 20 हजार रुपए

की रंगदारी मांगी। पैसे देने से मना करने पर उसने दुकान में तोड़फोड़ की और व्यापारी के साथ मारपीट की। इसके बाद व्यापारी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

व्यापारियों ने दी थी बाजार बंद की चेतावनी: इस घटना के बाद से व्यापारी डरे हुए थे। बोहरा समाज और व्यापारी संघ ने पुलिस से बदमाश को जल्द पकड़ने की मांग की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई, तो सैलाना नगर बंद किया जाएगा।

अमृत सागर तालाब से पकड़ा, साथी फरार: मुखबिर की सूचना पर सैलाना पुलिस ने रतलाम के अमृत सागर तालाब क्षेत्र में घेराबंदी कर गजनी को पकड़ लिया। हालांकि, वारदात में शामिल उसका साथी कमलेश जाट अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने बदमाश का शहर में जुलूस निकालकर उसका खौफ खत्म करने का संदेश दिया।

हत्या और वसूली के 6 केस दर्ज: पुलिस ने बताया कि दिनेश गुर्जर उर्फ गजनी एक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ सैलाना थाने में हत्या, हत्या का प्रयास, मारपीट और अवैध वसूली जैसे 6 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं।

पेट्रोल पंप मैनेजर ने किया 7 लाख रुपये का गबन

संचालक को व्हाट्सऐप मैसेज भेजकर फरार

धार, एजेंसी। धार जिले के नौगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अनारद स्थित विनायक फिलिंग स्टेशन में एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। यहां पर पिछले 16 साल से काम कर रहा मैनेजर करीब 7 लाख रुपये का गबन कर फरार हो गया। पंप संचालक ने इसकी शिकायत थाने में की, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक मैनेजर कृष्णा पिता सुरजलाल लववंशी कई महीनों से रोज की आय में थोड़ा-थोड़ा पैसा हड़प रहा था। 2 दिसंबर को वह अचानक ड्यूटी पर नहीं पहुंचा और फोन भी बंद मिला। इससे संदेह होने पर संचालक ने हिसाब जांचा तो 7 लाख रुपये कम पाए गए। इसके बाद संचालक थाने पहुंचा।

व्हाट्सऐप पर मैसेज करने के बाद हुआ फरार: संचालक ने पुलिस को बताया कि घटना से एक दिन पहले 1 दिसंबर को कृष्णा ने फोन पर बताया था कि वह कर्ज में है और मानसिक तनाव में है। उसने अगले दिन बात करने की बात कही थी, लेकिन वह पंप पर नहीं लौटा। इसके बाद उसके नंबर से व्हाट्सऐप संदेश आया कि वह घर छोड़कर जा रहा है। नौगांव थाना प्रभारी हिरुसिंह रावत ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। उसकी तलाश की जा रही है और पुलिस टीम जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

बालाघाट में दुपहिया वाहन से गिरे बुजुर्ग की मौत

सिर में लगी थी चोट, इलाज के दौरान तोड़ा दम

बालाघाट, एजेंसी। बालाघाट जिले में सड़क हादसों में मौत का एक और मामला सामने आया है। लालबर्रा थाना क्षेत्र के छतेरा निवासी ज्ञानीचंद पिता स्व. परसराम टेंभरे की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वे बुधवार देर शाम दुपहिया वाहन से गिर गए थे, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आई थीं। जानकारी के अनुसार, ज्ञानीचंद अपने बहनोई के साथ औहल्याकन्हार में बुआ की अंत्येष्टि में शामिल होने गए थे। वहां से लौटते समय छतेरा राममंदिर के सामने वे अचानक खड़ी मोटरसाइकिल से गिर गए। इस घटना में उनके सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आई। घायल को तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना बुधवार देर शाम की है, मृतक का पोस्टमॉर्टम आज गुरुवार को किया गया।

अस्पताल चौकी पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। लालबर्रा पुलिस मामले की आगे की जांच करेगी। रिश्तेदार चंद्रशेखर पटले ने बताया कि ज्ञानीचंद टेंभरे बुधवार शाम छतेरा राममंदिर के सामने खड़ी गाड़ी से गिरे थे।

रंजिश में हत्या करने वाले पति-पत्नी समेत 3 गिरफ्तार, घेरकर लाठियों से पीटा था; तीसरे दिन भोपाल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

सागर, एजेंसी। सागर के केसली थाना क्षेत्र के ग्राम घाना में पुरानी रंजिश के चलते लाठियों से पीटकर युवक की हत्या करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक दंपती (पति-पत्नी) भी शामिल है। वारदात 27 नवंबर की रात की है। घायल युवक ने भोपाल के हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल लाठियां जब्त कर ली हैं।

पुलिस के अनुसार, 27 नवंबर की रात करीब 11 बजे फरियादिया सीतारानी (40) पत्नी गुड्डन अहिरवार ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही चंदन अहिरवार, मुन्ना अहिरवार और जानकी अहिरवार ने उसके पति गुड्डन अहिरवार के साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर तीनों ने लाठियों और लात-घूंसों से जमकर मारपीट की, जिससे गुड्डन गंभीर रूप से घायल हो गया।

सागर से भोपाल रेफर किया, 30 नवंबर को मौत: मारपीट में घायल गुड्डन को पहले केसली अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल सागर रेफर किया गया। सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में हालत में सुधार न होने पर उसे भोपाल रेफर कर दिया गया। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान 30 नवंबर को गुड्डन की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने मामले में हत्या की धाराएं बढ़ाकर जांच शुरू की।

ये 3 आरोपी हुए गिरफ्तार: चंदन उर्फ भूरेलाल (26 वर्ष), पिता गोवर्धन अहिरवार।

मुन्ना अहिरवार (36 वर्ष), पिता गोवर्धन अहिरवार।

जानकी अहिरवार (33 वर्ष), पति मुन्ना अहिरवार। सभी आरोपी ग्राम घाना के निवासी हैं।

टीआई बोले- लाठियां जब्त, कोर्ट में पेश किया: केसली थाना प्रभारी हरिराम मानकर ने बताया कि हत्या के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल लाठियां भी जब्त कर ली गई हैं। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

बैढ़न कॉलेज छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली, एजेंसी। सिंगरौली के बैढ़न स्थित सरकारी कॉलेज की दो छात्राओं से लगातार छेड़छाड़ करने के आरोप में गुरुवार को पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सियाराम साहू (35) के रूप में हुई है, जो बगड़ी इलाके का निवासी है और शादीशुदा है।

सड़क पर गुजरने वाली छात्राओं से करता है छेड़छाड़: पुलिस के अनुसार, सियाराम साहू अपनी भतीजी को कॉलेज छोड़ने के बहाने बैढ़न आता था। इसी दौरान वह सड़क पर गुजरने वाली छात्राओं से छेड़छाड़ करता था। आरोपी लंबे समय से छात्राओं को परेशान कर रहा था और उन पर आपत्तिजनक टिप्पणियां भी करता था।

छात्राओं ने पुलिस से की थी शिकायत: पीड़ित छात्राओं ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। डिजिटल ने दो दिन पहले इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज की और कार्रवाई की।

नगर एसपी पीएस परस्ते ने बताया कि शिकायत मिलते ही मामले को गंभीरता से लिया गया। जांच के दौरान आरोपी की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं और पूछताछ में सियाराम साहू ने कई छात्राओं को परेशान करने की बात स्वीकार की है।

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल: पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने छात्राओं से अपील की है कि अगर कोई भी व्यक्ति उनके साथ इस तरह की हरकत करता है, तो तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दें।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई होगी। इस कार्रवाई के बाद कॉलेज छात्राओं और उनके परिजनों ने पुलिस प्रशासन और मीडिया का आभार व्यक्त किया है।

झाबुआ में तेज रफ्तार कार मकान में घुसी : ग्रामीणों ने बताया ड्राइवर नशे में था

झाबुआ, एजेंसी। झाबुआ जिले के नौगांवा गांव में बुधवार रात एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। तेज रफ्तार बेकाबू कार एक मकान में जा घुसी, जिससे मकान का अगला हिस्सा ध्वस्त हुआ जिससे काफी नुकसान हुआ। गनीमत रही कि हादसे के समय मकान मालिक का परिवार घर के पिछले कमरे में था, जिससे उनकी जान बच गई। घटना बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 11 बजे हुई। ग्राम नौगांवा निवासी प्रवीण पिता खातूसिंह बंजारा का परिवार घर में भोजन कर रहा था। इसी दौरान मेघनगर से थांदला की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार (क्र. GJ 05 RW 4846) बेकाबू होकर मकान में घुस गई।

कार के अंदर से शराब की बोतलें और पटाखे मिले: ग्रामीणों के अनुसार, कार की गति इतनी तेज थी कि वह सड़क छोड़कर रास्ते में खड़े एक छोटे बबूल के पेड़ को तोड़ती हुई आगे बढ़ी और सीधे प्रवीण बंजारा के घर में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि घर के बाहर खड़ी मकान मालिक की मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मकान का अगला हिस्सा ढह गया। घर के अंदर रखा कई घरेलू सामान भी टूट-फूट गया। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों ने बताया कि कार चालक अत्यधिक शराब के नशे में था। कार के अंदर से शराब की बोतलें और पटाखे भी मिले हैं। हादसे के तुरंत बाद चालक मौके से फरार हो गया।

शादी का झांसा देकर रेप करने वाला आरोपी गिरफ्तार, अनूपपुर पुलिस ने युवक को पानीपत से पकड़ा; मामला दर्ज कर भेजा जेल

अनूपपुर, एजेंसी। अनूपपुर पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से रेप करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी को विशेष न्यायालय अनूपपुर ने जेल भेज दिया है। मामला तब सामने आया जब 4 अक्टूबर को 19 वर्षीय युवती के पिता ने कोतवाली अनूपपुर में अपनी बेटी के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। बेटी ने घर से अनूपपुर जाने की बात कही थी, जिसके बाद से वह लापता हो गई थी। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

युवती को हरियाणा के पानीपत से बरामद किया: पुलिस टीम ने लगातार तलाश के बाद युवती को हरियाणा के पानीपत से बरामद किया। युवती ने महिला पुलिस अधिकारी और

न्यायालय में दिए अपने बयानों में बताया कि अनूपपुर के राठौर मोहल्ले का रहने वाले इस्तयाक खान ने उसे शादी का झांसा देकर उसका रेप किया। इन बयानों के आधार पर पुलि स ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने आज गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसे बाद में विशेष न्यायालय अनूपपुर के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में होगी भारत की असली परीक्षा

चेन्नई, एजेंसी। भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन स्न्ढ्ढ॥ पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी। चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा। यहां से कोई भी चूक भारत के 9 साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5–0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए। पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है।

लिविंगस्टोन की आतिशी पारी, मात्र इतनी गेंदों पर बनाए 82 रन, नाइट राइडर्स ने वॉरियर्स को हराया

शारजाह, एजेंसी । लियाम लिविंगस्टोन ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 38 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेली जिससे अबूधाबी नाइट राइडर्स ने विश्व आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में शारजाह वॉरियर्स को 39 रन से हराया। लिविंगस्टोन ने अपनी पारी में 2 चौके और 8 छक्के लगाए जिससे नाइट राइडर्स चार विकेट पर 233 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। यह लीग के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इसके जवाब में वॉरियर्स की टीम 9 विकेट पर 194 रन ही बना पाई। लिविंगस्टोन को बीच के ओवरों में शेरफेन रदरफोर्ड (27 गेंदों पर 45 रन) से सहयोग मिला। इससे पहले एलेक्स हेल्स (19 गेंदों पर 32 रन) और अलीशान शराफू (23 गेंदों पर 34 रन) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। लिविंगस्टोन ने पारी के अंतिम ओवर में ड्वेन प्रीटोरियस पर पांच छक्के जड़कर 33 रन बटोरे। वॉरियर्स के लिए आदिल राशिद एकमात्र सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 31 रन देकर दो विकेट लिए। मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स को अच्छी शुरुआत नहीं मिली। उसने जॉनसन चार्ल्स (10 रन), टॉम एबेल (06 रन) और टॉम कोहलर कैडमोर (14 रन) के विकेट पहले सात ओवरों में ही खो दिए, जब स्कोर केवल 56 रन था। टिम डेविड (24 गेंदों पर 60 रन) ने टीम को वापसी दिलाने की कोशिश की। डेविड ने नौवें ओवर में पीयूष चावला पर लगातार तीन छक्के जड़े। सिकंदर रजा (08 रन) और दिनेश कार्तिक (05 रन) के विकेट गिरने के बावजूद डेविड ने दूसरे छोर से रन बनाना जारी रखा।

जिन्होंने कुछ खास हासिल नहीं किया, वे रोहित-कोहली के भविष्य का तय कर रहे हैं: हरभजन सिंह

शारजाह, एजेंसी। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह को यह दुर्भाग्यपूर्ण लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कुछ खास हासिल नहीं किया है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि यह जोड़ी 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। वह वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं इसको लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने इस बात पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है कि यह दोनों वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं।

हरभजन ने यहां कहा, 'यह मेरी समझ से परे है। मैं इसका जवाब नहीं दे पाऊंगा क्योंकि मैं खुद एक खिलाड़ी रहा हूं और जो मैं देख रहा हूं वह मेरे साथ भी हुआ है। मेरे कई साथियों के साथ ऐसा हुआ है, लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम इस बारे में बात नहीं करते या इस पर कोई चर्चा नहीं करते। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में 417 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कोहली और रोहित के साथ किए जा रहे व्यवहार के संदर्भ में कहा, 'जब मैं विराट कोहली जैसे खिलाड़ी को देखता हूं जो अभी भी शानदार प्रदर्शन कर रहा है तो मुझे बहुत खुशी होती है। यह थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे लोग उनके भविष्य के बारे में फैसला कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कुछ खास हासिल नहीं किया है। वनडे विश्व कप में अभी एक समय साल से भी अधिक समय है लेकिन हरभजन ने रोहित और कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि वे इस विश्व कप के दौरान शानदार फॉर्म में रहेंगे और अगली पीढ़ी के लिए मानक स्थापित करेंगे। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में घरेलू मैदान पर लगातार दो शतक लगाए हैं, जबकि रोहित ने पिछली चार पारियों में दो अर्द्धशतक और एक शतक लगाया है। हरभजन ने कहा, 'उन्होंने हमेशा रन बनाए हैं और भारत के लिए शुरू से ही अच्छा योगदान दिया है। उन्होंने बल्लेबाज के रूप में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम के कप्तान भी रहे हैं। मुझे वास्तव में अच्छा लग रहा है कि वह दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वे युवा पीढ़ी के लिए उदाहरण पेश कर रहे हैं और यह दिखा रहे हैं कि चैंपियन बनने के लिए क्या करना पड़ता है। इसलिए सही उदाहरण पेश करने के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा को बधाई।

टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पांचवें बल्लेबाज बने टॉम लैथम

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। शतकीय पारी खेलने वाले लैथम न्यूजीलैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन पूरे करने वाले पांचवें बल्लेबाज बने। टॉम लैथम ने दूसरी पारी में 250 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 145 रन की पारी खेली। इस पारी के दौरान 142वां रन बनाते ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 6,000 रन पूरे कर लिए। 33 साल के लैथम ने अब तक अपने करियर में 89 टेस्ट मैचों की 160 पारियों में 14 शतक और 31 अर्धशतक लगाते हुए 38.98 की औसत से 6,003 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 264 रन रहा है। लैथम का वनडे में भी शानदार रिकॉर्ड है। 163 वनडे मैचों की 150 पारियों में 8 शतक और 26 अर्धशतक लगाते हुए वे 4,464 रन बना चुके हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 145 रन है। न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने बनाए हैं। 106 टेस्ट मैचों की 188 पारियों में 33 शतक और 38 अर्धशतक लगाते हुए विलियमसन ने 9,337 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर पूर्व कप्तान रॉस टेलर हैं। टेलर ने 2007 से 2022 के बीच 112 टेस्ट में 19 शतक और 35 अर्धशतक की मदद से 7,683 रन बनाए हैं।

स्टीफन फ्लेमिंग तीसरे स्थान पर हैं। पूर्व कप्तान ने 1994 से 2008 के बीच 9 शतक और 46 अर्धशतक की मदद से 7,172 रन बनाए।

चौथे स्थान पर पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रेंडन मैक्कुलम हैं। मैक्कुलम ने 2004 से 2016 के बीच 101 टेस्ट मैचों की 176 पारियों में 12 शतक और 31 अर्धशतक लगाते हुए 6,453 रन बनाए।

न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में 6,000 या उससे अधिक रन बनाने वाले सभी बल्लेबाज कप्तान रहे हैं।

आईसीसी वनडे रैंकिंग: विराट कोहली चौथे स्थान पर पहुंचे, शुभमन गिल को नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा जारी वनडे फॉर्मेट की ताजा रैंकिंग में विराट कोहली को फायदा हुआ है, जबकि इस फॉर्मेट में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल को नुकसान हुआ है। रांची वनडे में विराट कोहली ने 120 गेंद पर 135 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। इस पारी का विराट को फायदा हुआ है। ताजा वनडे रैंकिंग में उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ है। वह चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। शुभमन गिल इंजरी की वजह से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। इसका नुकसान उन्हें हुआ है। गिल एक पायदान नीचे फिसल कर पांचवें स्थान पर चले गए हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा मजबूती से पहले स्थान पर काबिज हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में अर्धशतक और तीसरे वनडे में शतक लगाने वाले रोहित ने रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में अर्धशतक लगाया था। इस वजह से वह पहले स्थान पर मजबूती से बने हुए हैं।

दूसरे स्थान पर न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम छठे और आयरलैंड के हैरी टैक्टर सातवें स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के शाई होप आठवें, भारत के श्रेयस अय्यर नौवें और श्रीलंका के कप्तान चरिथ असालंका दसवें स्थान पर हैं।

श्रीलंका के पाथुम निसांका 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए 13वें और भारत के केएल राहुल 2 स्थान ऊपर चढ़ते हुए 14वें स्थान पर आ गए हैं। केएल राहुल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत की कप्तानी कर रहे हैं। राहुल ने रांची में खेले गए पहले वनडे में 60 रन की पारी खेली थी। विराट कोहली के पास वनडे रैंकिंग में अपना स्थान और मजबूत करने का मौका है। दक्षिण सीरीज के आखिरी 2 वनडे में अगर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा, तो वह रोहित शर्मा के करीब आ सकते हैं या उन्हें पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर सकते हैं।

राहुल का बयान आया सामने, दूसरे वनडे में हार के कारणों पर की चर्चा

रायपुर, एजेंसी। दूसरे वनडे में भारत को साउथ अफ्रीका के हाथों 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 358/5 का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें विराट कोहली (102) और ऋतुराज गायकवाड़ (105) ने शतकीय पारियां खेलीं, लेकिन टीम जीत से चूक गई। हार के बाद स्टैंड-इन कप्तान केएल राहुल ने हार के पीछे के कारणों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैं खुद को कोस रहा हूं। टॉस हारने का बहुत बड़ा असर पड़ा। दूसरी पारी में ओस की वजह से गेंदबाजी करना मुश्किल हो गया और ये मैच पर बहुत असर डालता है। कुछ चीजें हम बेहतर कर सकते थे।

राहुल ने बताया कि टीम ने फील्डिंग में भी कुछ नरमी दिखाई। उन्होंने कहा, 350 का स्कोर अच्छा लग रहा था, लेकिन हमने कुछ आसान रन भी दिए। फील्डिंग में कुछ कमजोरियां सामने आईं। विराट और रुतु ने शानदार बैटिंग की और उन्होंने पारी की गति तय की। मुझे नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने का मौका मिला और मैंने अपनी जिम्मेदारी निभाई। राहुल ने टॉस पर भी निराशा जताई और कहा कि भारत लगातार 20वें वनडे में टॉस हार चुका है। उन्होंने बताया, यह हमारी टॉस हारने की लंबी सीरीज है। 2 साल से लगातार टॉस हार रहे हैं। यह सिलसिला 2023 के ODI WC फाइनल से शुरू हुआ था। टॉस का खेल पर बड़ा असर पड़ता है और इस बार यह हमारे लिए निर्णायक साबित हुआ।

आईपीएल में सबसे मुश्किल गेंदबाज कौन आंद्रे रसेल ने किया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल से संन्यास लेने के बाद केकेआर के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपने करियर का सबसे कठिन गेंदबाज चुनते हुए बड़ा खुलासा किया है। रसेल के मुताबिक, मुंबई इंडियंस के स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह ने हमेशा उन्हें चुनौती दी और उन्हें कई बार आउट भी किया।

मेरे क्रीज पर आते ही बुमराह गेंदबाज़ी करने लगते थे: सीज़न 14 साल खेलने के बाद आईपीएल से रिटायर हुए 37 वर्षीय रसेल ने कहा कि बुमराह के खिलाफ बल्लेबाजी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। रसेल ने कहा, आईपीएल में मेरे सामने आने वाले सबसे मुश्किल गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह हैं। जैसे ही मैं बैटिंग करने आता हूं, वह गेंद थमा देते हैं। उन्होंने मुझे कई बार आउट किया है, लेकिन मैंने भी उन्हें कुछ शानदार शॉट्स मारे हैं। मुझे ऐसी चुनौतियाँ पसंद हैं। वह दुनिया के सबसे बेहतरीन टी20 गेंदबाज़ों में से एक हैं।

बुमराह ने रसेल को आईपीएल में 4 बार किया आउट: जसप्रीत बुमराह ने रसेल को चार बार आउट किया है। रशिद खान, क्रिस मॉरिस और शार्दुल ठाकुर ने भी रसेल को 4-4 बार आउट किया है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलना हमेशा रोमांचक-रसेल: रसेल ने बताया कि उन्हें आईपीएल में सबसे ज्यादा मुकाबला मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलने में मज़ा आता था। उन्होंने कहा– मैं ज्यादातर टीमों के खिलाफ खेलना पसंद करता हूं, लेकिन रू्ढ्ढ के खिलाफ हमेशा असली फाइट होती है–चाहे वे कोलकाता आएं या हम वानखेड़े जाएं। उनके खिलाफ खेलना एक अलग ही रिंग में उतरने जैसा होता है। उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी 2019 में आई जब उन्होंने ईडन गार्डन्स में 40 गेंदों पर नाबाद 80 रन ठोके थे। उस मैच में बुमराह विकेटलेस रहे और ञ्चयक्रने 232/2 का विशाल स्कोर बनाया था।

केआईयूजी 2025: चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कैनोइँग और कयाकिंग में अपना दबदबा बनाया

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने बुधवार को जीते गए कुल 10 पदकों के साथ अपने पदकों की संया 33 तक पहुंचाई

जयपुर, एजेंसी। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने बुधवार को कैनोइंग और कयाकिंग में 10 में से 9 गोल्ड मेडल जीतकर खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 के 10वें दिन अंक तालिका के में टॉप पर पहुंच गई। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने टेबल टेनिस में पुरुष टीम का गोल्ड मेडल भी जीता और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 33 गोल्ड, 13 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ ओवरऑल स्टैंडिंग में दूसरे नंबर पर खिसका दिया।

बहरहाल, सवाई मानसिंह स्टेडियम परिसर में स्थित एथलेटिक्स ट्रैक पर बुधवार को चार और मीट रिकार्ड टूटे। अब एथलेटिक्स में मीट रिकार्ड्स की संख्या 9 हो गई है।

केआईयूजी 2025 का पांचवां एडिशन राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है। 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल वाले खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अंडर राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के साथ मिलकर हो रहे हैं और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी इसे होस्ट कर रही है।

पंजाब यूनिवर्सिटी (पुरुषों की 4×400मी), महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के शिंटोमोन सीबी (पुरुषों की 110मी हर्डल्स), गुरु काशी यूनिवर्सिटी की सान्या यादव (महिलाओं की डिस्कस थ्रो) और महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी की अलीना टी साजी (महिलाओं की हाई जंप) ने बुधवार को मीट रिकॉर्ड बेहतर किए।

गुरु काशी यूनिवर्सिटी के टोंगब्रम रोशन सिंह ने उदयपुर में कैनो सिंगल 500द्व रेस जीतकर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को क्लीन स्वीप से बचा लिया। दूसरी तरफ, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कैनोइंग और कयाकिंग में अपनी बादशाहत दिखाई। इन दोनो खेलों को इस साल खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में शामिल किया गया था। इसने बुधवार को 10 में से नौ गोल्ड मेडल जीते।

कॉम्पिटिशन में दो दिन बाकी हैं, पिछले एडिशन की चैंपियन चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मेडल्स टैली में टॉप स्पॉट के लिए ज़ोर लगा रही है, जो पिछले कुछ दिनों से गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के पास है।

बुधवार को, जयपुर में ज़्यादातर एक्शन एथलेटिक्स ट्रैक पर था और यह कॉम्पिटिशन का एक रोमांचक दिन था।

जिस रेस ने सभी को सीट से बांधे रखा, वह पुरुषों की 4×400मी फ़ाइनल थी। इसमें मुंबई यूनिवर्सिटी आखिरी 100मी तक रेस में आगे रही। पंजाब यूनिवर्सिटी के लोकेश सिंह गुर्जर ने यश जोशी को पीछे छोड़कर अपनी टीम के लिए 3ञ्12.40S के टाइम के साथ गोल्ड मेडल जीता। असल में, मुंबई यूनिवर्सिटी की 3:12.73 की टाइमिंग भी मैंगलोर यूनिवर्सिटी के बनाए 3:13.44 के पिछले मीट रिकॉर्ड से बेहतर थी। इससे पहले, शिंटोमोन सीबी ने पुरुषों की 110मी फ़ाइनल रेस में शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी। उन्होंने केआईयूजी के पुराने रिकॉर्डधारी विकास खोडके और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड होल्डर राहिल साकिर, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कालीकट के वीपी को हराया। खोडके (जिनके नाम केआईयूज का पिछला रिकॉर्ड 14.40 का था) ने राहिल साकिर के साथ फ़ोटो-फ़िनिश में सिल्वर मेडल जीता। दोनों ने 14.52 के समय के साथ रेस पूरी की।

फ़ील्ड इवेंट्स में, गुरु काशी यूनिवर्सिटी की सान्या यादव ने भी महिलाओं के डिस्कस थ्रो में केआईयूजी मीट रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में 50.73मी की दूरी तय की, और बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी की शालिनी चौधरी के 50.60मी के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। महिलाओं की ट्रिपल जंप में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतने वाली टीमों ने बुधवार को पिछले केआईयूजी रिकॉर्ड को भी बेहतर बनाया। अलीना ने अपनी दूसरी कोशिश में 13.09मी की दूरी तय की, जबकि पंजाब यूनिवर्सिटी की अर्शदीप कौर ने चौथी कोशिश में 12.80मी की दूरी तय की। 12.78मी का पिछला रिकॉर्ड मैंगलोर यूनिवर्सिटी की ऐश्वर्या बी के नाम था।

इस बीच, जगतपुरा शूटिंग रेंज में, पेरिस ओलंपिक्स के ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट सरबजोत सिंह ने पलक के साथ मिलकर 10मी एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में केएलईएफ यूनिवर्सिटी के मुकेश नेलवल्ली और द्वारम प्रणवी को 17-15 से हराया। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता।

पूर्णिमा यूनिवर्सिटी ग्राउंड पर महिलाओं के फुटबॉल फाइनल में, चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी, भिवानी ने पूजा (10वें मिनट) और नैन्सी (83वें मिनट) के एक-एक गोल की मदद से गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी को 2-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के इतिहास में अपना पहला महिला हॉकी गोल्ड जीता, जब उन्होंने फाइनल में आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर को 1-0 से हराया। अलीवा जाटे ने 34वें मिनट में केआईआईटी के लिए विजयी गोल किया। पुरुषों के हॉकी फाइनल में, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ को 5-1 से हराया। जोधपुर में, चितकारा यूनिवर्सिटी टेबल टेनिस में ग्रैंड डबल पूरा करने में नाकाम रही। जबकि उनकी महिला टीम ने एडमास यूनिवर्सिटी को 3-0 से हराया, उनकी पुरुष टीम फाइनल में 2-0 की बढ़त लेने के बाद चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से 2-3 से हार गई। इस बीच, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में केआईयूजी 2025 के उद्घाटन दिवस से ही स्थापित फिट इंडिया ज़ोन ने प्रमुख फिटनेस तत्वों को एक साथ लाकर सभी आगंतुकों के लिए एक गतिशील अनुभव तैयार किया।

भारत 359 रन बनाकर भी मैच नहीं बचा सका: दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा वनडे 4 विकेट से जीता, सीरीज 1-1 से बराबर

रायपुर, एजेंसी। रायपुर में खेले गए दूसरे वनडे में टीम इंडिया 359 रन का विशाल लक्ष्य भी बचाने में नाकाम रही। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और तीन मैचों की सीरीज 1–1 की बराबरी पर ला दी। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनने वाली साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत ने मजबूत स्कोर खड़ा किया। विराट कोहली ने शानदार शतक जड़ा, जबकि ऋतुराज गायकवाड ने भी सेंचुरी लगाई। कप्तान केएल राहुल ने फिफ्टी बनाकर टीम को 358 के बड़े स्कोर तक पहुंचाया। साउथ अफ्रीका की ओर से मार्को यानसन ने 2 विकेट लिए। बड़े रन चेज़ में अफ्रीका ने पांचवें ओवर में ही पहला विकेट गंवा दिया, लेकिन कप्तान टेम्बा बावुमा (44) और ऐडन मार्करम ने शतकीय साझेदारी कर टीम को संभाला। मार्करम ने शानदार शतक जड़कर चेज़ की नींव मजबूत की। इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस (54) और मैथ्यू ब्रीट्जकी (68) ने तेज तर्रार फिफ्टी लगाई और टीम को लक्ष्य के करीब ले आए।

ट्रैफिक जाम में फंसे अरुणाचल के राज्यपाल किला रोड में सड़क के दोनों तरफ कब्जा

गाड़ी से नहीं उतरी पुलिस सिर्फ बजाती रही हूटर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्थानीय लोगों की मदद से रास्ता खाली कराया गया, तब जाकर राज्यपाल आगे बढ़ सके। स्थानीय लोगों की मदद से रास्ता खाली कराया गया, तब जाकर राज्यपाल आगे बढ़ सके।

रीवा शहर में अतिक्रमण और यातायात व्यवस्था की पोल एक बार फिर खुल गई। गुरुवार सुबह सैनिक स्कूल और विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल केटी परनाइक का काफिला किला रोड पर 25 मिनट तक जाम में फंसा रहा।

हालात इतने खराब थे कि प्रोटोकॉल के हूटर भी भीड़ को नहीं हटा सके। अंत में स्थानीय लोगों की मदद से रास्ता खाली कराया गया, तब जाकर राज्यपाल आगे बढ़ सके। काफिला जैसे ही किला रोड पहुंचा, अव्यवस्थित वाहनों और सड़क पर व्यापारियों द्वारा किए

गए अतिक्रमण के कारण जाम लग गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि किला रोड पर दुकानें सड़क तक फैली रहती हैं, जिससे दोनों तरफ से वाहनों का गुजरना मुश्किल हो जाता है। किला रोड में रोड के दोनों तरफ कब्जा किया गया है।

गाड़ी से नहीं उतरी पुलिस, सिर्फ बजाती रही हूटर: जाम के दौरान नगर निगम और यातायात पुलिस की लापरवाही साफ दिखाई दी। नगर निगम और पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे, लेकिन किसी भी अधिकारी ने वाहन से उतरकर सड़क खाली कराने या अतिक्रमण हटवाने की कोशिश नहीं की। वे सिर्फ हूटर बजाकर भीड़ को साइड कराने की कोशिश करते रहे, लेकिन शोरगुल में हूटर भी बेअसर साबित हुए।

पब्लिक ने आगे आकर खुलवाया जाम: जब 25 मिनट तक काफिला टस से मस नहीं हुआ, तो दबाव बढ़ने पर स्थानीय निवासी खुद आगे आए। नागरिकों ने पहल करते हुए जाम हटवाया और धीरे-धीरे आवागमन बहाल किया, जिसके बाद राज्यपाल का काफिला आगे बढ़ सका। हालांकि इस दौरान जाम और स्लो मूविंग ट्रैफिक से लोग भी खासा परेशान नजर आए।

पहले डिप्टी सीएम भी फंस चुके हैं: गौरतलब है कि रीवा की ट्रैफिक व्यवस्था पर सवालिया निशान पहले भी लग चुके हैं। इससे पहले प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल का काफिला भी स्टेशन रोड पर जाम में फंस चुका है। लगातार हो रही इन घटनाओं ने नगर निगम और प्रशासन की अतिक्रमण के प्रति उदासीनता को उजागर कर दिया है।

दिनदहाड़े महिला से 20 हजार रुपए से भरा बैग लूटा

बाइक सवार बदमाश फरार, बैंक से पैसे निकालकर वापस आ रही थी महिला

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। दो बाइक सवार बदमाश महिला से बैग छीनकर बाइक से फरार हो गए। -दो बाइक सवार बदमाश महिला से बैग छीनकर बाइक से फरार हो गए। मऊगंज के नईगढ़ी में दिनदहाड़े एक महिला से बैग लूट लिया गया। बाइक सवार दो बदमाशों ने बैंक से पैसे निकालकर घर लौट रही महिला को निशाना बनाया। बैग में 20 हजार रुपए नकद, एटीएम कार्ड और बैंक पासबुक सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। घटना गुरुवार दोपहर 12.30 बजे की है। घटना के बाद पीड़िता ने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

महिला ने बैंक से निकाले 20 हजार रुपए: जानकारी के अनुसार, शिवराजपुर निवासी सीता साकेत (45) बुधवार को यूनियन बैंक की नईगढ़ी शाखा गई थीं। उन्होंने बैंक से करीब 20 हजार रुपए निकाले थे। जब वह पैसे लेकर घर लौट रही थीं और डीपीएस स्कूल के पास पहुंचीं, तभी पीछे से तेज रफ्तार बाइक पर आए दो युवकों ने उनके हाथ से बैग छीन लिया।

बैग छीनकर बदमाश तेजी से बाइक पर फरार हो गए: पीड़िता सीता साकेत ने शोर मचाकर राहगीरों से मदद मांगी, लेकिन बदमाश तेजी से बाइक पर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। महिला को तत्काल थाने ले जाया गया, जहां उन्होंने पुलिस को पूरी वारदात की जानकारी दी।

बैंक से ही महिला का पीछा करने की आशंका: शिकायत मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। बदमाशों के फरार होने के संभावित रास्तों पर लगे थानों को तुरंत अलर्ट कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि बदमाश बैंक से ही महिला का पीछा कर रहे थे और सुनसान जगह देखकर उन्होंने वारदात को अंजाम दिया।

आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: थाना प्रभारी जगदीश सिंह ठाकुर ने बताया कि पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। संदिग्ध बाइक और युवकों की पहचान के लिए तकनीकी टीम भी सक्रिय है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि महिला का बैग लूटने वाले दोनों आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे और इस वारदात का खुलासा किया जाएगा।

कलेक्टर ने जैविक हाट बाजार का किया उद्घाटन

प्राकृतिक और जैविक फसलों के प्रमाणीकरण तथा भण्डारण की व्यवस्था कर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने करहिया मण्डी में जैविक हाट बाजार का उद्घाटन किया। प्राकृतिक खेती तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत जैविक हाट बाजार शुरू किया गया है। इसमें शुरूआती दौर में बिना खाद उगाए गए फल, सब्जी, अनाज और मशरूम की बिक्री की जा रही है। हाट बाजार के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कृषि विभाग तथा कृषि उपज मण्डी करहिया द्वारा की गई है। इसका संचालन विन्ध्या फार्मर प्रोड्यूशन कंपनी तथा किसान रामबली कुशवाहा द्वारा किया जा रहा है।

जैविक बाजार का शुभारंभ करते हुए कलेक्टर ने कहा कि हर व्यक्ति बिना रासायनिक खाद के पैदा किए गए खाद्यान्न, फल और सब्जी का उपयोग करना चाहता है। जिले में कई किसान जैविक और प्राकृतिक खेती के माध्यम से सब्जियों, फलों तथा कोदो-कुटकी जैसे अनाजों की खेती कर रहे हैं। हाट बाजार के माध्यम से इन किसानों को अपने जैविक उत्पादों की बिक्री के लिए उचित स्थान मिलेगा। उप संचालक कृषि जैविक खेती की खेती करने वाले किसानों के पंजीयन तथा जैविक फसलों के प्रमाणीकरण के लिए तत्काल प्रयास करें। करहिया मण्डी में जैविक उत्पादों के विपणन और भण्डारण की समुचित व्यवस्था करें। हाट बाजार का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं जिससे किसान जैविक और प्राकृतिक उत्पाद बेचने के लिए तथा आमजनता इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए आ सके। बसामन मामा गौ अभ्यारण्य के आसपास 50 से अधिक किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। इन्हें भी जैविक हाट बाजार से जोड़ें। जैविक हाट बाजार में उद्घाटन के समय प्राकृतिक खेती से पैदा किए गए चुकंदर, पालक, गोभी, मशरूम तथा सूरन बिक्री के लिए रखे गए। अनाजों में कोदो और कुटकी विपणन के लिए उपलब्ध हैं।

उद्घाटन के बाद कलेक्टर ने किसानों तथा व्यापारियों से जैविक हाट बाजार के संबंध में चर्चा की। व्यापारी रामबली कुशवाहा ने कहा कि बड़ी संख्या में किसान जैविक सब्जी का उत्पादन कर रहे हैं। उनसे सब्जी खरीदकर करहिया मण्डी में हाट बाजार में बिक्री की जाएगी। सिंघाड़ा, खनीमा और मशरूम भी किसान बिक्री के लिए ला रहे हैं। मौके पर उपस्थित उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने जैविक हाट बाजार के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी, महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, जिला प्रबंधक विपणन संघ शिखा सिंह वर्मा, उप संचालक मण्डी, कृषि तथा उद्यानिकी विभाग के अधिकारी, किसान तथा व्यापारी उपस्थित रहे।

टोकन वितरण की व्यवस्था ग्राम पंचायत भवन में ही कराएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में खाद की रैक लगातार प्राप्त हो रही हैं। खाद की कोई कमी नहीं है। किसानों को व्यवस्थित रूप से खाद का वितरण कराएं। प्रत्येक किसान को टोकन देकर ही खाद दें। करहिया मण्डी के स्थान पर टोकन वितरण ग्राम पंचायत भवन करहिया से कराएं। मौके पर उपस्थित किसान तेजभान सिंह ने बताया कि उन्हें टोकन मिलने के बाद खाद मिलने में कोई परेशानी नहीं हुई है। किसान प्रवेश सिंह परिहार ने बताया कि उनका निवास स्थान सतना जिले के गाजन गांव में है, लेकिन जमीन ग्राम रंगौली में है। आधार कार्ड दूसरे जिले का होने के कारण खाद नहीं दी जा रही है। कलेक्टर ने कहा कि किसान की जमीन रीवा जिले में है तो उसे तत्काल टोकन देकर खाद उपलब्ध कराएं। जिन किसानों की जमीनें रीवा जिले में हैं उन्हें जिले के ही वितरण केन्द्रों से खाद दें। कलेक्टर ने एसडीएम तथा कृषि विभाग के अधिकारियों को खाद वितरण का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी, उप संचालक कृषि यूपी बागरी, जिला प्रबंधक विपणन संघ शिखा सिंह वर्मा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष पिछड़ी जातियों को अब मिलेगा हर माह 1500 रुपए अनुदान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा प्रदेश के 55 जिलों में निवास करने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहजरिया को हर माह 1500 रुपए आहार अनुदान दिया जाएगा। परिवार के प्रत्येक सदस्य को हर माह 1500 रुपए दिए जाएंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अपने क्षेत्र की विशेष पिछड़ी जनजाति में शामिल परिवारों की सूची जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग को 5 दिवस की समय सीमा में प्रस्तुत करें।

बाल विवाह मुक्त भारत के लिए सरकार के 100 दिवसीय अभियान में कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगा अहिंसा वेलफेयर सोसायटी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दिल्ली में केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के एक साल पूरा होने के अवसर पर नई दिल्ली में इस '100 दिवसीय गहन जागरूकता' अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य उस पूरे परिवेश को ध्वस्त करना है जो बाल विवाह के फलने-फूलने में मदद करते हैं। इन प्रयासों में मिली सफलता को रेखांकित करते हुए हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि स्पष्ट नीतियों, लगातार की जा रही कार्रवाईयों और गांव-गांव तक पहुंच रहे प्रयासों की बदौलत भारत बाल विवाह को पूरी तरह खत्म करने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

केंद्र ने अधिसूचना जारी कर सभी राज्य सरकारों से कहा है कि वे इस '100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करें ताकि बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में जनसमुदाय में चौतरफा और स्पष्ट बदलाव देखने को मिले। अधिसूचना के बाद राज्य सरकार ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और उच्च शिक्षा विभाग को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने के निर्देश दिए हैं ताकि लक्षित उद्देश्यों को हासिल किया जा सके।

जिले में बाल विवाह रोकने के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन के लगातार सहयोग और विभिन्न कदमों की सराहना करते हुए अहिंसा वेलफेयर सोसायटी एवं समग्र जन चेतना विकास परिषद के सुमित सिंह ने कहा, 'जिला प्रशासन बाल विवाह के खात्मे की दिशा में बढ़-चढ़ कर प्रयास कर रहा है। हमारी सफलताएं उनके साथ करीबी समन्वय से काम करने का नतीजा हैं। आज पूरा देश एकजुट है और देश का शीर्ष नेतृत्व बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में हम निश्चित रूप से 2030 से पहले ही देश को इस अपराध से मुक्त बना देंगे। दुनिया जिसे कभी असंभव मानती थी, वह आज भारत में संभव होता दिखाई दे रहा है और इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व का विषय है।

अहिंसा वेलफेयर सोसायटी एवं समग्र जन चेतना विकास परिषद बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इसके 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं।

नवोदय विद्यालय की कक्षा छठवीं की प्रवेश परीक्षा 13 दिसम्बर को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर की कक्षा छठवीं की प्रवेश परीक्षा आगामी 13 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया है कि प्रवेश परीक्षा रीवा और मऊगंज के सभी ब्लॉक मुख्यालयों में 20 केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश पत्र के साथ आधार कार्ड, एक नीला या काला बाल प्वाइंट पेन और राइटिंग पैड लेकर आना अनिवार्य है। अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र नवोदय विद्यालय की अधिकृत वेबसाइट सीबीएसईआईटीईएमएस डॉट एनआईसी डॉट इन से डाउनलोड कर सकते हैं।

दुग्ध उत्पादन से जुड़ी योजनाओं से 29 प्रकरण मंजूर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। पशुपालन विभाग की दुग्ध उत्पादन से जुड़ी तीन योजनाओं के माध्यम से 29 प्रकरण विभिन्न बैंकों द्वारा मंजूर किए गए हैं। इस संबंध में उप संचालक पशुपालन डॉ डीपी सिंह ने बताया कि आचार्य विद्यासागर डेयरी योजना से 89 प्रकरण बैंकों को भेजे गए हैं। इनमें से 9 प्रकरणों में 11 लाख 33 हजार रुपए का ऋण मंजूर किया गया है। बैंक ऋण एवं अनुदान पर बकरी ईकाई प्रदाय योजना के तहत विभिन्न बैंकों में 87 प्रकरण भेजे गए हैं।

क्या यूपी की सूची का मिलान अब रीवा की सूची से करेंगे आईजी?

आईजी के दावों पर नहीं हुआ अमल, गाजा कोरेक्स का धंधा और तेज

यूपी की तर्ज पर कार्रवाई हो जाए तो रीवा रेंज में मचेगी खलबली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अगर उत्तर प्रदेश की तरह सख्त और बेखौफ पुलिस कार्रवाई रीवा रेंज में शुरू हो जाए, तो यहां भी कई पुलिसकर्मियों के नाम उजागर होने में देर नहीं लगेगी। यूपी पुलिस ने जिस तरह कोरेक्स और नशीली दवाओं के माफियाओं को जड़ से खत्म करने के लिए अभियान चलाया, वही मॉडल यदि रीवा रेंज अपनाता है, तो कई थाना क्षेत्रों की हकीकत सामने आ जाएगी। परन्तु मौजूदा स्थिति बताती है कि यहाँ नशा कारोबारियों पर पुलिस का शिकंजा कसने के बजाय ढीला पड़ता जा रहा है।

रीवा शहर और आसपास के क्षेत्रों में गाजा और कोरेक्स की बिक्री रात के बढ़ते अंधेरे के साथ और भी तेज़ हो जाती है। खुलेआम सप्लाई का यह ट्रेंड बताता है कि पुलिस की मौजूदगी से नशे के कारोबारी

रीवा में नशा कारोबार क्यों मजबूत हो रहा?

सवाल वही ,अमल कब होगा?

अब जनता यह जानना चाहती है कि आखिर कब रीवा रेंज में यूपी की तरह कड़ा अभियान चलेगा?

कब पुलिस अपने ही आदेशों पर अमल सुनिश्चित करेगी?

कब उन चेहरों से पर्दा उठेगा जिनकी वजह से यह धंधा लगातार फल-फूल रहा है?

बिल्कुल भी भयभीत नहीं हैं। जनचर्चा में यह सवाल जोर पकड़ रहा है कि जब अपराध बढ़ रहा है, तो फिर आईजी द्वारा घोषित सख्त आदेशों का पालन क्यों नहीं हो रहा?

याद दिलाना जरूरी है कि आईजी ने मंच से एक स्पष्ट और कड़ा बयान दिया था: किसी भी थाना क्षेत्र में पंद्रह दिन बाद भी अगर कोरेक्स बिकती मिली, तो संबंधित टीआई और बीट प्रभारी पर सीधी कार्रवाई होगी। लेकिन महीने बीत गए, पर न तो किसी थाना प्रभारी पर कार्रवाई हुई, न बीट स्टाफ पर, और न ही किसी भी स्तर पर जवाबदेही तय हुई। इस चुप्पी ने नशा कारोबारियों के हौसले बुलंद कर दिए हैं।

जमीनी हकीकत यह है कि नशा नेटवर्क को रोकने के लिए जिस प्रकार की निरंतरता और दबाव की आवश्यकता है, वह पुलिस व्यवस्था में नजर नहीं आता। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि अगर ढ्ढत्र अपने ही आदेशों का पालन कड़ाई से करवा दें, तो कई पुलिसकर्मियों की संलिप्तता स्वत: उजागर हो जाएगी। कई थानों में यह चर्चा आम है कि ऊपर से कार्रवाई नहीं आती तो नीचे कोई खुद आगे नहीं बढ़ता।

यूपी मॉडल- कठोर कार्रवाई, लगातार निगरानी: यूपी में नशा कारोबार को रोकने के लिए संयुक्त छापेमारी, रात भर कार्रवाई, थाना स्तर पर जवाबदेही, और उच्च अधिकारियों द्वारा साप्ताहिक समीक्षा जैसी रणनीतियाँ अपनाई गईं।

यही वजह है कि वहां नशीली दवाओं की बिक्री में भारी गिरावट आई। रीवा में यदि यही मॉडल लागू हो जाए तो अवैध सप्लाई चेन का बड़ा हिस्सा टूट सकता है। लेकिन वर्तमान स्थिति यह दिखाती है कि पुलिस के दावे बयानबाज़ी से आगे नहीं बढ़ पा रहे।

थानों पर निगरानी की कमी: रात में जब सप्लाई सबसे ज्यादा होती है, उस वक्त पुलिस की गतिविधि सीमित दिखाई देती है।

बीट प्रणाली कमजोर: बीट प्रभारी इलाके की हर गतिविधि से वाकिफ होते हैं, बावजूद इसके नशा कारोबार पर रोक नहीं लग पाना कई सवाल खड़े करता है।

सख्त निर्देशों पर अमल का अभाव: 15 दिन वाला ढ्ढत्र आदेश अब सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंस की याद बनकर रह गया है।

संभावित सांठगांठ: शहर में चल रही चर्चाओं के मुताबिक बिना किसी संरक्षण के इतनी बड़ी सप्लाई संभव नहीं।

नतीजा बिक्री और तेज, नेटवर्क और मजबूत पिछले दो महीनों में कोरेक्स और गाजा की उपलब्धता बढ़ी है। कई जगहों पर यह धंधा खुलेआम चल रहा है, और उपभोक्ताओं की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। यह न सिर्फ कानून व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि समाज में एक बड़ा स्वास्थ्य संकट भी पैदा कर रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुलिस की ओर से दिखावे की कुछ कार्रवाइयाँ जरूर होती हैं, लेकिन वे नशा माफिया की जड़ तक नहीं पहुंच पातीं। बड़े सप्लायर अब भी सुरक्षित हैं और छोटे पैमाने पर पकड़े जाने वाले आरोपी सिर्फ सांकेतिक कार्रवाई का हिस्सा बन जाते हैं। आईजी के दावे और जमीनी स्थिति में भारी अंतर है, रीवा रेंज में नशे के खिलाफ जंग तभी सफल होगी, जब आदेशों का पालन सख्ती से हो और कार्रवाई केवल कागज़ों पर नहीं बल्कि धरातल पर दिखे।

क्षेत्रीय संचालक ने किया सीएचसी गोविंदगढ़ का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ सत्यभामा अवधिया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोविंदगढ़ का निरीक्षण किया क्षेत्रीय संचालक ने अस्पताल की ओपीडी, प्रसव केन्द्र, दवा स्टोर और वार्डों का निरीक्षण किया। क्षेत्रीय संचालक ने भर्ती मरीजों से अस्पताल में मिल रही उपचार सहायता के संबंध में जानकारी ली। मौके पर उपस्थित बीएमओ डॉ चौहान तथा अन्य डॉक्टरों को निर्देश देते हुए डॉ अवधिया ने कहा कि गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन कराकर उनकी नियमित जाँच सुनिश्चित करें। हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को समय पर उपचार के लिए जिला अस्पताल और मेडिकल कालेज भेजें। शिशुओं के टीकाकरण के सेशन समय पर जारी करके प्रत्येक शिशु का सम्पूर्ण टीकाकरण कराएं। अस्पताल में रोगियों का सेवाभाव से उपचार करें। क्षेत्रीय संचालक ने अस्पताल की साफ-सफाई, दवा वितरण तथा आवश्यक जानकारियों के पोर्टल पर दर्ज करने के संबंध में निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।